



महाराष्ट्र शासन राजपत्र

प्राधिकृत प्रकाशन

वर्ष ८ वे, राजपत्र क्र. ४०] गुरुवार ते बुधवार, ऑक्टोबर ६-१२, २०२२ : आश्विन, १४-२०, शके १९४४ [पृष्ठ - ५२,

स्वतंत्र संकलन म्हणून फाईल करण्यासाठी या भागाला वेगळे पृष्ठ क्रमांक दिले आहेत.

भाग एक-औरंगाबाद विभागीय पुरवणी

अनुक्रमणिका

भाग एक-शासकीय अधिसूचना, नेमणुका, पदोन्नती, अनुपस्थितीची रजा (भाग एक-अ, चार-अ, चार-ब व चार-क यामध्ये प्रसिध्द करण्यात आलेले आहेत त्याच्याव्यतिरिक्त) केवळ औरंगाबाद विभागशी संबंधित असलेले नियम व आदेश.

संकीर्ण अधिसूचना, नेमणुका, पदोन्नती इत्यादी केवळ औरंगाबाद विभागशी संबंधित असलेले.

२३४३ ते २३९४

भाग एक-अ (भाग चार-अ मध्ये प्रसिध्द करण्यात आले आहेत त्या व्यतिरिक्त) केवळ औरंगाबाद विभागशी संबंधित असलेले महाराष्ट्र नगरपालिका, जिल्हा परिषदा व पंचायत समित्या, ग्रामपंचायती, नगरपंचायती, नगरपरिषदा, जिल्हा नगरपरिषदा, प्राथमिक शिक्षण व स्थानिक निधी लेखापरीक्षा अधिनियम, या अन्वये काढण्यात आलेले आदेश व अधिसूचना.

संकीर्ण अधिसूचना, नेमणुका, पदोन्नती इत्यादी

१

NOTIFICATION

DISTRICT AND SESSIONS COURT, OSMANABAD

NOTIFICATION

No. HKW/[Admin]/5957/2022.-- The Following Judicial Officer's working in this District Osmanabad were

permitted to enjoy the Off/Summer Vacation for the year - 2022 as specified in column No.3 and the period for which they were prevented from enjoying Off / Summer Vacation is mentioned in column No. 4 against their names.

The Off/Summer Vacation for Civil Courts in Osmanabad District was from 09th May, 2022 to 05th June, 2022 [both days inclusiv]

Sr. No.	Name of the Judicial Officer	Period Vacation Enjoyed	Period of Vacation prevented
1	2	3	4
1	Shri. M.R.Nerlekar District Judge -1, Osmanabad.	30/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 29/05/2022
2	Shri. V.G. Mohite District Judge -2, Osmanabad.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 5/06/2022
3	Shri. P.H. Karve, Adhoc District Judge -1, Osmanabad.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 5/06/2022

Sr. No.	Name of the Judicial Officer	Period Vacation Enjoyed	Period of Vacation prevented
1	2	3	4
4	Shri. D.K. Anbhule District Judge -1, Omerga.	30/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 29/05/2022
5	Shri. J.D. Wadne District Judge -1, Bhoom.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
6	Shri. V.S. Mane, District Judge -1, Bhoom.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022

District Court, Osmanabad

Dated :- 27th June, 2022.

K.R. Pethkar,
Principal District Judge, Osmanabad.

२

NOTIFICATION**DISTRICT AND SESSIONS COURT, OSMANABAD****NOTIFICATION**

No. HKW/[Admin]/5255/2022.-- The Following
Judicial Officer's working in this District Osmanabad were

permitted to enjoy the Off/Summer Vacation for the year -
2022 as specified in column No.3 and the period for which
they were prevented from enjoying Off/ Summer Vacation is
mentioned in column No. 4 against their names.

The Off/Summer Vacation for Civil Courts in
Osmanabad District was from 09th May, 2022 to 05th June,
2022 [both days inclusiv]

Sr. No.	Name of the Judicial Officer	Period Vacation Enjoyed	Period of Vacation prevented
1	2	3	4
1	Shri. P. B. Pore, Civil Judge, S. D., Osmanabad.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 23/05/2022 to 05/06/2022
2	Smt. M. S. Bhadane, Civil Judge, S. D., Osmanabad.	30/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 29/05/2022
3	Shri. V.S. Yadav, Member Secretary, D. L.S.A. Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022
4	Shri. V. R. Dasari, Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
5	Shri. G. A. Deshpande, 2nd Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022

Sr. No.	Name of the Judicial Officer	Period Vacation Enjoyed	Period of Vacation prevented
1	2	3	4
6	Smt. S. S. Mane, 3rd Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022
7	Shri. V. B. Ghadge, 4th Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022
8	Shri. S. D. Patil, 5th Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 &
9	Smt. M. D. Charate, Civil Judge, S. D., Omerga.	30/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 29/05/2022
10	Sou. S. A. Kanshide, Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Omerga.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022
11	Shri. I. M. Naikwadi, Civil Judge, S. D. Bhoom.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
12	Sou. V. B. Patil, Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Bhoom.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 23/05/2022 to 05/06/2022
13	Shri. S. G. Borkar, Civil Judge, S. D. Paranda.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
14	Smt. J. N. Yadav, Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Paranda.	23/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 &
15	Smt. N. N. Chintamani, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 & 30- 05-2022 to 05-06-2022
16	Smt. B. M. Kothawale, 2nd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 & 30- 05-2022 to 05-06-2022
17	Smt. V. B. Shetty, 3rd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	9/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05-06-2022
18	Smt. T. V. Gavai, 4th Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	Nil	09/05/2022 to 05-06-2022
19	Smt. U. S. Ivare, 5th Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	9/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05-06-2022

20	Shri. V. A. Awaghade, Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Tuljapur.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15-05-2022 & 23/05/2022 to 5-06-2022
21	Smt. M. P. Jaswant, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Tuljapur.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 5-06-2022
22	Shri. R. B. Khandare, 2nd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Tuljapur.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30-05-2022 to 05-06-2022
23	Shri. M. T. Bilal, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Omerga.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 5-06-2022
24	Sou. S. S. Chavan, 2nd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Omerga.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30-05-2022 to 05-06-2022
25	Shri. A. D. Patil, 3rd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Omerga.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
26	Shri. M. D. Thombre, Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Kallam.	09/05/2022 to 15/05/2022 23/05/2022 to 29/05/2022	16/05/2022 to 22/05/2022 & 30-05-2022 to 05-06-2022
27	Shri. M. D. Kudte, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Kallam.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30-05-2022 to 05-06-2022
28	Smt. R. R. Kulkarni, 2nd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Kallam.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
29	Shri. K. K. Khomane, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Kallam.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 23/05/2022 to 05/06/2022
30	Shri. D. G. Patwe, 2nd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Bhoom.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
31	Shri. S. M. Kolekar, Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Washi.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
32	Shri. M. R. Sowani, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Paranda.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
33	Shri. S. P. Rachkar, 2nd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Paranda.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 23/05/2022 to 05/06/2022
34	Shri. I. G. Mahadevkoli, 3rd Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Paranda.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
35	Smt. N. S. Saraf, Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Paranda.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022

जिल्हाधिकारी नांदेड, यांजकडून

अधिसूचना (कलम १९)

मा.जिल्हाधिकारी, नांदेड यांची मान्यता क्र.२०२०/आरबी/डेस्क-३/

सिआर-२४ दि.२३.०६.२०२२

जा.क्र.२०२०/उपविअ/भूसं/मौ.चिकना/सिआर-०२ ज्याअर्थी, समुचित शासन असलेल्या नांदेड जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-याने, भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित नुकसान भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “उक्त अधिनियम” असा केला आहे.) याच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून, अधिसूचना क्रमांक-०८ पान क्र.६६ वर दिनांक जानेवारी/फेब्रुवारी २८-०३, २०२१ अन्वये प्रारंभिक अधिसूचना काढली आहे. आणि त्याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेल्या जमिनीची, अनुसूची दोन मध्ये अधिक तपशीलवार विनिर्दिष्ट केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी कार्यकारी अभियंता, उर्ध्व पेनगंगा प्रकल्प विभाग क्र.६ नांदेड विभागाच्या खर्चाने करण्याची आवश्यकता आहे.

आणि ज्याअर्थी, नांदेड (जिल्ह्याच्या) जिल्हाधिका-याने, कलम १५ च्या पोटकलम (२) अन्वये दिलेला अहवाल, कोणताही असल्यास, विचारात घेतल्यानंतर, उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमीन संपादित करण्याची आवश्यकता आहे याबाबत त्याची खात्री पटली आहे; आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाच्या कलम-११ च्या पोट कलम (१) च्या तरतुदीन्वये, उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमिनीची आवश्यकता आहे असे याद्वारे घोषित करण्यात येत आहे;

आणि ज्याअर्थी, अनुसूची तीन मध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेले क्षेत्र हे बाधित कुटुंबियांच्या पुनर्वसन व पुनर्वसाहतीच्या प्रयोजनासाठी “पुनर्वसाहत क्षेत्र” म्हणून निर्धारित केले असल्याचे याद्वारे घोषित केले जात असून, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश अनुसूची चार मध्ये विनिर्दिष्ट केला आहे;

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमान्वये जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, धर्माबाद यास पदनिर्देशित करीत आहे.

अनुसूची एक

संपादित करावयाच्या जमिनीचे वर्णन

गावाचे नांव: मौ. चिकना तालुका: धर्माबाद जिल्हा: नांदेड

अ.क्र.	भूमापन क्रमांक किंवा गट नंबर	क्षेत्र (हे.आर. मध्ये)	सोडून देण्यात आलेले जमिनीचे आदमासे क्षेत्र चौ.मी.
०१	४८०	०.०५	-
एकूण		०.०५	-

अनुसूची दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे नांव:- अतिरिक्त भूसंपादन प्रस्ताव इसापूर उजव्या कालव्याच्या पुच्छ कालव्यावरील करखेली शाखा कालव्याच्या मातीकाम बांधकाम व अस्तरीकरणासाठी मौ. चिकना ता. धर्माबाद जि. नांदेड. **प्रकल्पाच्या कामाचे वर्णन:-** अतिरिक्त भूसंपादन प्रस्ताव इसापूर उजव्या कालव्याच्या पुच्छ कालव्यावरील करखेली शाखा कालव्याच्या मातीकाम बांधकाम व अस्तरीकरणासाठी मौ. चिकना ता. धर्माबाद जि. नांदेड.

समाजाला होणारे लाभ:- जलसिंचनासाठी.

अनुसूची तीन

पुनर्वसाहत क्षेत्राचे वर्णन

गावाचे नांव: मौ. चिकना तालुका: धर्माबाद जिल्हा: नांदेड

अनु क्र.	भूमापन क्र. किंवा गट नं.	क्षेत्र हेक्टर मध्ये
-	- लागू नाही -	—

अनुसूची - चार

(पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश)

- लागू नाही -

टिप:- उक्त जमिनीच्या नकाशाचे निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी धर्माबाद यांचे कार्यालयात करता येईल.

दिनांक:-२३/०६/२०२२

ठिकाण:- नांदेड.

स्वा/

जिल्हाधिकारी, नांदेड.

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी नांदेड, यांजकडून

अधिसूचना (कलम ११) शुध्दीपत्रक

भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्वस्थापना करताना उचित नुकसान

भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम -२०१३

क्रमांक २०२१/उपविअ/भूसं/सिआर-०३/दिनांक २१/०९/२०२२.- ज्याअर्थी, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित नुकसान भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम - २०१३ (२०१३ चा ३०) याच्या कलम ३ च्या खंड (इ) च्या परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्र.संकिर्ण १९/२०१४/प्र.क्र.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त अधिसूचना असा करण्यात आला आहे.) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम (३) च्या खंड (झेड अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी, एखाद्या जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्रकरीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात अशा जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समुचित शासन असलेल्या, नांदेड जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-यास यासोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात पुढे जिचा निर्देश उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात आला आहे.) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे, असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण यासोबत जोडलेल्या अनुसूची दोनमध्ये दिलेले आहे; आणि म्हणून उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावित भूमि संपादनाच्या अनुषंगाने बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पडणारी कारणे, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची तीन मध्ये दिलेली आहेत.

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश यासोबत जोडलेल्या अनुसूची चार मध्ये दिलेला आहे.

आणि ज्याअर्थी कलम ४३ च्या पोट कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशिल यासोबत जोडलेल्या अनुसूची पाचमध्ये दिलेला आहे;

त्याअर्थी, आता असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम ४ अनुसार कोणतीही व्यक्ती, ही अधिसूचना प्रसिध्द झाल्याच्या दिनांकापासून ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधीपर्यंत उक्त जमीनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमिनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही.

परंतु, उक्त जमिनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिका-यास विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सूट देता येईल. परंतु आणखी असे की, जर कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुध्दीपुरस्सर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिका-याकडून भरपाई दिली जाणार नाही. तसेच तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम(५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम, २०१४ (यात यापुढे ज्यांचा निर्देश उक्त नियम असा करण्यात आला आहे.) यांच्या नियम १० च्या उप नियम (३) द्वारे विहित केल्याप्रमाणे भूमि अभिलेखाच्या अद्यावतीकरणाचे काम हाती घेणार असल्याचे व पुर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, यांनी उक्त अधिनियमाखालील जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकरी, नांदेड यास पदनिर्देशित करीत आहे.

अनुसूची एक

संपादीत करावायाच्या जमिनीचे वर्णन

गाव: मौ. मालेगांव तालुका:- अर्धापूर जिल्हा: नांदेड

अनुक्रमांक	भूमापन किंवा गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र हे.आर मध्ये
०१	५७४	०.१७४१ हे.आर

अनुसूची दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे वर्णन:- भूसंपादन प्रस्ताव भाटेगाव शाखा कालव्यावरील गिरगांव पृच्छ वितरीका वरील डावी लघु वितरीका क्र.६ च्या बांधकामासाठी मौ. मालेगांव ता. अर्धापूर जि. नांदेड येथील भूसंपादन करणे बाबत.

समाजाला मिळणारे लाभ:- सुविधा.

अनुसूची तीन

बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्याची आवश्यकता नाही.

अनुसूची चार

भूसंपादन जनतेच्या पायाभूत सुविधासाठी होत असल्याने सामाजिक प्रभाव निर्धारण अभ्यास करण्या-या अभिकरणाचा नाही.

अनुसूची पाच

प्रशासकाची नियुक्ती करणे आवश्यक नाही.

टिप - उक्त जमिनीच्या आराखड्याचे उपविभागीय अधिकारी नांदेड प्रशासकिय इमारत, २ रा मजला, चिखलवाडी नांदेड येथील कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

दिनांक:-२१/०९/२०२२

स्वा/-

टिकाण:- नांदेड

उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी नांदेड

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी हिंगोली, यांजकडून भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ अन्वये समुचित शासनाने वापरावयाच्या नमुन्यामधील मार्गदर्शक तत्वांसंदर्भातील कलम १९ (१)

खालील अधिसूचना

जा.क्र.२०२२/भुसं/बोराळा साठवण तलाव क्र.- ०२/सिआर- ०४ / दिनांक २३/०९/२०२२.- ज्याअर्थी समुचित शासन असलेल्या उपविभागीय अधिकारी, हिंगोली यांनी भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (यात यापुढे ज्याचा निर्देश उक्त अधिनियम असा केला आहे.) याच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकारांचा वापर करून अधिसूचना क्रमांक जा.क्र.२०२१/भुसं/बोराळा साठवण तलाव क्र.- ०२/सिआर- ०४ दिनांक १५/११/२०२१ अन्वये प्रारंभिक अधिसूचना काढली आहे. आणि त्याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे. यासोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशिलवार वर्णन केलेल्या जमिनीची अनुसूची दोन मध्ये अधिक तपशिलवार वर्णन केलेली जमिनीची अनुसूची दोन अधिक तपशिलवार विनिर्दिष्ट केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता आहे किंवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी, उपविभागीय अधिकारी, हिंगोली यांनी कलम १५ च्या पोट कलम (२) अन्वये दिलेला अहवाल कोणताही असल्यास विचारात घेतलेल्या नंतर उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमिनी संपादित करण्याची आवश्यकता आहे. याबाबत त्यांनी खात्री पटली आहे आणि म्हणून उक्त अधिनियमाच्या कलम १९ च्या पोट कलम (१) च्या तरतुदीन्वये उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमिनीची आवश्यकता आहे असे याद्वारे घोषित करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी अनुसूची तीन मध्ये एक तपशिलवार वर्णन केलेले क्षेत्र हे बाधित कुटूंबियांच्या पुनर्वसन व पुनर्वसाहतीच्या प्रयोजनासाठी पुनर्वसाहत क्षेत्र कुटूंबियांच्या म्हणून निर्धारित केले असल्याचे याद्वारे घोषित केले जात असून पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश अनुसूची चार मध्ये विनिर्दिष्ट केला आहे.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये समुचित शासन असलेल्या जिल्हाधिकारी यांनी उक्त अधिनियमा खालील जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी, हिंगोली यांना पदनिर्देशित केलेले आहे.

अनुसूची एक

जमिनीचे वर्णन

संपादित करावयाच्या जमिनीचे वर्णन

गाव : बोराळावाडी ता.जि. हिंगोली		
अ.क्र.	भूमापन क्र.	संपादित करावयाचे क्षेत्र हेक्टर आरमध्ये
१	१३३	०.१३
२	१३५	०.६३
३	१३६	१.७४
४	१३७	२.८६
एकुण		५.३६

गाव : बोराळा ता.जि. हिंगोली		
अ.क्र.	भूमापन क्र.	संपादित करावयाचे क्षेत्र हेक्टर आरमध्ये
१	२	३.१८
२	३	२.९०
३	५	५.३३
४	६	१.२८
५	७	०.८०
६	८	१.१२
७	९	२.५०
८	१०	१.७३
९	११	०.०२
१०	१२	१.३२
११	१३	०.४२
१२	१४	०.६६
१३	१५	२.४७
१४	४३	६.४४
१५	४४	२.०६
एकुण		३२.२३

अनुसूचि दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे नाव	बोराळा साठवण तलाव क्रमांक - ०२
प्रकल्प कार्याचे वर्णन	लघु पाटबंधारे
समाजाला मिळणारे लाभ	कृषि सिंचन, आर्थिक, रोजगार लाभ

अनुसूचि तीन

भूमि संपादनाच्या अनुषंगाने बाधित व्यक्तीचे विस्थापन होत नाही म्हणून अनुसूचि तीन लागू नाही.

अनुसूचि चार

सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांशः

भूमि संपादनाच्या अनुषंगाने बाधित व्यक्तीचे विस्थापन होत नाही म्हणून सामाजिक परिणाम निर्धारण अभ्यास करणा-या अधिकरणाचा सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश लागू नाही.

अनुसूचि पाच

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशिल

भूधारकाचे विस्थापन होत नसल्यामुळे प्रशासक नियुक्ती लागू नाही.

टिप : उक्त जमिनीबाबतचे आराखडे व तपशिल उपविभागीय अधिकारी कार्यालय, हिंगोली येथे कार्यालयीन वेळेत निरीक्षण करण्यास उपलब्ध आहे.

(उमाकांत पारधी),

उपविभागीय अधिकारी तथा

भूसंपादन अधिकारी, हिंगोली.

६

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-१८/२०२२ दिनांक १२.१०.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३५/२०२२ मौ. बावणे पांगरी पा.त.

क्र. १२ ता. बदनापूर, जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३५/२०२२/दिनांक २५/०५/२०२२.- ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमूद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतू जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतू आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. बावणे पांगरी तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१७९	०.१३
२.	१८२	१.१०
	एकुण क्षेत्र	१.२३

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. बावणे पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्र. १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- बावणे पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्र. १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- बावणे पांगरी पाझर तलाव क्र. १२

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- बावणे पांगरी पाझर तलाव क्र. १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २५.०५.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना.

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई
मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-१८/२०२२ दिनांक १२.१०.२०२२

भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३५/२०२२ मौ. बोरगांव पा.त. क्र. ६
ता. जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/०९/२०२१/दिनांक १५/०६/२०२२.- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबंधित्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापित करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमाच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशित करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. बोरगांव-शंभु सावरगाव तालुका : जालना जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)	गावाचे नाव
१.	३२४	०.७४	बोरगांव
२.	२४	१.२४	शंभु सावरगांव
	एकुण क्षेत्र	१.९८	

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. बोरगांव ता.जि. जालना येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०६ बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरुपाचे विवरण :- बोरगांव येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०६ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नाव्हा पाझर तलाव

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- बोरगांव पाझर तलाव क्र.०६ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधित व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोष्टवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच

पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक : १५.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

८

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई

मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं./सम-२/

प्र.क्र.-३८/२०२२ दिनांक ०९.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर/२५/२०२२ मौ. दाभाडी पा.त. क्र.

०९ ता.बदनापुर जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२५/२०२२/दिनांक २९/०६/२०२२.- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसूल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपदे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल)

याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकीची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. दाभाडी तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१६६	१.००
२.	१६६	१.००
३.	१६६	१.००
	एकुण क्षेत्र	३.००

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. दाभाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- दाभाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता
प्रकल्पाचे नाव :- दाभाडी पाझर तलाव क्रमांक ०९
प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- दाभाडी पाझर तलाव क्रमांक ०९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता
सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोष्टवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमाचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५**नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती**

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
 उपविभागीय अधिकारी तथा
 भूसंपादन अधिकारी जालना.

९

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-५०/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /२९/२०२२ मौ. हिस्वन बु. पा.त ता.जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२९/२०२२/दिनांक २९.०६.२०२२ :- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३

मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापित करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतू जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतू आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भुमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भुमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करित आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. हिस्वन बु.

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	६५	०.६०
२.	६५	०.६०
३.	६४	०.२०
	एकुण क्षेत्र	१.४०

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. हिस्वन बु. येथील जमीन पाझर तलावा च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. हिस्वन बु. येथील जमीन पाझर तलावा च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- हिस्वन बु पाझर तलाव

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- हिस्वन बु. पाझर तलावाच्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे दोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधित व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमाचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा

भूसंपादन अधिकारी जालना.

१०

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-४९/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३४/२०२२ मौ. हिस्वन खुर्द. पा.त.

क्र. ०४ ता.जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३४/२०२२/दिनांक २९.०६.२०२२.- ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या

प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. हिस्वन खुर्द.

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	६६	१.००
२.	६६	१.००
३.	६६	०.४०
	एकुण क्षेत्र	२.४०

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता.

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. हिस्वन खुर्द. येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- हिस्वन खुर्द पाझर तलाव क्र. ०४

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- हिस्वन खुर्द पाझर तलाव क्र. ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे दोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

११

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-४७/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /२८/२०२२ मौ. घाटी हिस्वन खुर्द पा.त क्र. ०२ ता.जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२८/२०२२/ दिनांक २९.०६.२०२२.- ज्या अर्थी भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३

मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. घाटी हिस्वन खुर्द तालुका : जालना जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	८१	०.६०
२.	८१	०.६०
	एकुण क्षेत्र	१.२०

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. घाटी हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरुपाचे विवरण :- मौ. घाटी हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- घाटी हिस्वन खुर्द पाझर तलाव क्रमांक ०२

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- घाटी हिस्वन खुर्द पाझर तलाव क्रमांक ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/
प्र.क्र.-४८/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /२७/२०२२ मौ.हिस्वन खुर्द पा.त.

ता.जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२७/२०२२/ दिनांक २९.०६.२०२२:- ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहून कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहून कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहून भुमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भुमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहून भुमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भुमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भुमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहून कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहून भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भुमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भुमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाय्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहून भुमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भुमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहून कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करित आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. हिस्वन खुर्द

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	८१	०.६०
२.	८१	०.६०
	एकुण क्षेत्र	१.२०

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझर तलावा च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझर तलावाच्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- हिस्वन खुर्द पाझर तलाव

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- हिस्वन खुर्द पाझर तलावाच्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

१३

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)
मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/
प्र.क्र.-४२/२०२२ दिनांक १३.०६.२०२२
भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /२०/२०२२ मौ. माळशेंद्रा
(पिंपळकोटी) / बावणे पांगरी (शिवार)पा.त. क्र. ०४ ता.जि. जालना
खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२०/२०२२/ दिनांक २५.०५.२०२२.- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहून कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहून कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहून भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहून भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहून कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासून सदरहून भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहून भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहून कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करित आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. माळशेंद्रा (पिंपळकोटी) / बावणे पांगरी (शिवार)

तालुका : जालना जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	२५९	५.००
	एकुण क्षेत्र	५.००

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. माळशेंद्रा (पिंपळ कोटी) / बावणे पांगरी (शिवार) येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. माळशेंद्रा (पिंपळ कोटी) / बावणे पांगरी (शिवार) येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- माळशेंद्रा (पिंपळ कोटी) / बावणे पांगरी (शिवार)

पाझर तलाव क्रमांक ०४

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- माळशेंद्रा (पिंपळ कोटी) / बावणे पांगरी (शिवार) पाझर तलाव क्रमांक ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे दोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

१४

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-५२/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२
भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३३/२०२२ मौ. मानेगांव (जा) पा.त. क्र. ०१ ता.जि. जालना
खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३३/२०२२/ दिनांक २९.०६.२०२२.- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना

(सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकीची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की,सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

१५

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. मानेगाव (जा) तालुका : जालना जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१४८	०.०९
२.	१४९	१.३३
३.	१४९	०.१०
४.	१५०	०.०६
५.	१६२	०.६१
६.	१६५	०.२०
७.	१६६	०.४५
	एकुण क्षेत्र	२.८४

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. मानेगाव (जा) येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. मानेगाव (जा) येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- मानेगाव (जा) पाझर तलाव क्र. ०१

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- मानेगाव (जा) पाझर तलाव क्र. ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधित व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमाचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/
प्र.क्र.-७/२०२२ दिनांक २०.०४.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /१३/२०२२ मौ. नजीक पांगरी पा.त.
क्र. ०२ ता. बदनापूर, जि. जालना
खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/१३/२०२२ / दिनांक २५.०५.२०२२:- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (युपुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकीची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुर्नवसन व पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. नजीक पांगरी तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	२११	४.६५
	एकुण क्षेत्र	४.६५

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. नजीक पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- नजीक पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नजीक पांगरी पाझर तलाव क्र. ०२

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- नजीक पांगरी पाझर तलाव क्र. ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासून सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २५.०५.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा

भूसंपादन अधिकारी जालना.

१६

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुर्नवसन पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-५८/२०२२ दिनांक २०.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३७/२०२२ मौ. नजीक पांगरी पा.त.

क्र.०९ ता.बदनापुर जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३७/२०२२/दिनांक १५.०७.२०२२.- ज्या अर्थी भूमिसंपादन, पुर्नवसन व पुर्नस्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुर्नवसन व पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादित करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बाजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करित आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. नजीकपांगरी तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१२२	२.००
२.	१२२	२.०५
	एकुण क्षेत्र	४.०५

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. नजीक पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- नजीक पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नजीक पांगरी पाझर तलाव क्रमांक ०९

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- नजीक पांगरी पाझर तलाव क्रमांक ९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- १५.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा

भूसंपादन अधिकारी जालना.

१७

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-३७/२०२२ दिनांक ०९.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /२३/२०२२ मौ. नंदापूर पा.त. क्र.१० ता. जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२३/२०२२/दिनांक २९.०६.२०२२.- ज्या अर्थी भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील

५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (युपदे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुर्नवसन व पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. नंदापुर

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	५६	४.००
	एकुण क्षेत्र	४.००

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. नंदापुर येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक १०च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- नंदापुर येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक १० च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नंदापुर पाझर तलाव क्रमांक १०

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- नंदापुर पाझर तलाव क्रमांक १० च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोष्टवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

१८

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/
प्र.क्र.-०४/२०२१ दिनांक २३.०२.२०२१

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /११/२०२१ मौ. नाव्हा पा.त. ता. जि.
जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/११/२०२२/दिनांक २८.०६.२०२२.- ज्या
अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३
मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र
शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/
सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख
उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व
पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क
अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना
संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना
(सदरहून कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील
५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या
जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या
वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या
वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी
अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी
असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक
प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे.
(यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल)
याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे
सदरहून कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या
प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक
आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहून भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ
भुमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत
जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहून भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ
भुमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या
अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भुमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१)
नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या
अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती
आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहून कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना
प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहून भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली
कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या
भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही
बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भुमीच्या मालकाने
अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या
अंमलबजावणीमधून अशा भुमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक
उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची
अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहून भुमी संपादन कायद्याचे
कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन
व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क
(महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात
येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भुमी अभिलेख अद्यावत
करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहून
कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. नाव्हा

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१८९	३.१९
	एकुण क्षेत्र	३.१९

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. नाव्हा येथील जमीन पाझर तलाव बुडीत
क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- नाव्हा येथील जमीन पाझर
तलावाच्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नाव्हा पाझर तलाव

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- नाव्हा पाझर तलावच्या बुडीत क्षेत्राच्या
कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोराना पिण्याच्या
पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची
आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोष्टवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण
करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक
१३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील
तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच
पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक : २८.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

१९

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

**(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई
मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)**

**मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /समन्वय-
२/प्र.क्र.-७३/२०२२ दिनांक १५.०७.२०२२**

**भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३९/२०२२ मौ. पठार देऊळगांव
पा.त. क्र. ०५ ता.बदनापुर जि. जालना
खालील अधिसूचना (कलम ११)**

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३९/२०२२/दिनांक २०.०७.२०२२:- ज्या अर्थी भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापित करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अशा जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की,सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. पठार देऊळगांव तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	४०७	०.२५
२.	४०९	२.८९
	एकुण क्षेत्र	३.१४

**संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. पठार देऊळगांव येथील जमीन पाझर तलाव
क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता**

अनुसूची -२

**सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरुपाचे विवरण :- पठार देऊळगांव येथील
जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता**

प्रकल्पाचे नाव :- पठार देऊळगांव पाझर तलाव क्रमांक ०५

**प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- पठार देऊळगांव पाझर तलाव क्रमांक ०५
च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता**

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधित व्यक्तीचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५**नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती**

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २०.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

२०

**उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)**

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-६९/२०२२ दिनांक ०८.०७.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३८/२०२२ मौ. सागरवाडी पा.त.क्र.

०५ ता.बदनापुर जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३८/२०२२/दिनांक २०.०७.२०२२ :- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहून कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील

५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहून कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहून भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहून भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकीची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहून कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहून भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहून भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहून कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करित आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. सागरवाडी

तालुका : बदनापुर

जिल्हा : जालना

२१

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	२९०	०.२८
२.	३१२	१.५०
	एकुण क्षेत्र	१.७८

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. सागरवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- सागरवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- सागरवाडी पाझर तलाव क्रमांक ०५

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- सागरवाडी पाझर तलाव क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २०.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-२३/२०२२ दिनांक ३१.०५.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /१५/२०२२ मौ. तुपेवाडी पा.त.

क्र.१२ ता.बदनापुर जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/१५/२०२२/दिनांक २८.०६.२०२२.- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाय्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करित आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. तुपेवाडी

तालुका : बदनापुर

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१५८	४.००
	एकुण क्षेत्र	४.००

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. तुपेवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. तुपेवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- तुपेवाडी पाझर तलाव क्रमांक १२

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- तुपेवाडी पाझर तलाव क्रमांक १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासून सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २८.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा

भूसंपादन अधिकारी जालना.

२२

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.असं. /सम-२/

प्र.क्र.-१५/२०२२ दिनांक १७.०५.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /१४/२०२२ मौ. वंजार उम्रद पा.त.

क्र. ०७ ता.जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/१४/२०२२/दिनांक २५.०५.२०२२.- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादित करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाय्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भुमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : वंजारउम्रद तालुका : जालना जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१८९	४.१८
२.	१४२	०.४०
	एकुण क्षेत्र	४.५८

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. वंजारउम्रद येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०७ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. वंजारउम्रद येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०७ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- मौ. वंजारउम्रद पाझर तलाव क्रमांक ०७

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- वंजारउम्रद पाझर तलाव क्रमांक ०७ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे दोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २५.०५.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

२३

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-५७/२०२२ दिनांक २०.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३८/२०२२ मौ. वंजारवाडी पा.त.

क्र.०१ ता.बदनापुर जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३८/२०२२/दिनांक १५.०७.२०२२.- ज्या अर्थी भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख" उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील

५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचीत शासन म्हणून घोषित करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (युपदे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायदानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिध्द केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषित करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भूमिसंपादन पुर्नवसन व पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करित आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. वंजारवाडी

तालुका : बदनापुर

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१५	०.६२
२.	१६	०.४९
३.	१७	०.५५
४.	१८	०.३५
५.	१८	०.३२
६.	२२	२.११
७.	२३	०.५५
	एकुण क्षेत्र	४.९९

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. वंजारवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरुपाचे विवरण :- वंजारवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- वंजारवाडी पाझर तलाव क्रमांक ०१

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- वंजारवाडी पाझर तलाव क्रमांक ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोराना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- १५.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना.

उपविभागीय अधिकारी परतूर यांजकडून

(भूमीसंपादन, पुनर्वसन, व पुनर्वस्थापना करतांना वाजवी भरपाईचा मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ चे कलम ११ (१)

खालील अधिसूचना

जा.क्र.२०२२/भूसंपादन/सिआर-१६/२०२२. दिनांक २९.८.२०२२.- ज्याअर्थी भूमीसंपादन पुनर्वसन व पुनर्व्यवस्थापन करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) ज्याच्या कलम ३ खंड ई द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली शासकीय अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्रमांक संकीर्ण/११/२०१४/प्र.क्र.७७/अ-२ दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (यात यापुढे ज्याचा निर्देश उक्त अधिसूचना असा करण्यात आला आहे) यात यापुढे असे ही अधिसूचीत केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड-अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी एखाद्या जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसेल ईतक्या क्षेत्र करीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात जिल्हाधिकारी हे उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचने नुसार समिचित शासन असलेल्या जालना जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांनी या सोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशिलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त जमीन असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजनासाठी (यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात आला आहे.) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण या सोबत जोडलेल्या अनुसूची दोन मध्ये दिलेले आहे आणि म्हणून उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) च्या तरतूदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचीत करण्यात येते की, उक्त जमीनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी प्रस्तावित भूमी संपादनाच्या अनुषंगाने बाधीत व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे, या सोबत जोडलेल्या अनुसूची तीन मध्ये दिलेली आहेत. आणि ज्याअर्थी सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश या सोबत जोडलेल्या अनुसूची चार मध्ये दिलेले आहेत.

आणि ज्याअर्थी कलम ४३ च्या पोट कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशिल, या सोबत जोडलेल्या अनुसूची पांच मध्ये दिलेला आहे.

त्याअर्थी आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम ४ अनुसार कोणती ही व्यक्ती, ही अधिसूचना प्रसिध्द झाल्याच्या दिनांका पासून ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधी पर्यंत उक्त जमीनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणता ही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमीनीवर कोणता ही भार निर्माण करणार नाही.

परंतू, उक्त जमीनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिकारी यांना विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमुद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतूदीच्या प्रवर्तनातून सूट देण्यात येईल. परंतू आनखी

असे की, जर कोणत्या ही व्यक्तीने या तरतूदीचे बुध्दी पुरस्पर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्या ही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिकारी यांचे कडून भरपाई दिली जाणार नाही. तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ पोट कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमीसंपादन पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ यात या पुढे ज्याचा निर्देश उक्त नियम असा करण्यात आला आहे. त्याच्या नियम १० च्या उप नियम (३) द्वारे विहीत केल्या प्रमाणे भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेणार असल्याचे व पुर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये समुचित शासन असलेले जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखाली जिल्हाधिकारी यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी परतूर जि.जालना यांना पदनिर्देशित करण्यात येत आहे.

अनुसूची-१

जमीनीचे वर्णन

गावाचे नांव : तळेगाव तालूका : मंठा जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	भूमापन क्रमांक किंवा गट क्रमांक	आवश्यक असलेले अंदाजीत क्षेत्र हे.आर
१.	६७	०.०९ आर

अनुसूची-२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपा बाबत वर्णन

मौजे तळेगाव तालूका मंठा जिल्हा जालना येथील गट क्रमांक ६७ मधील एकूण क्षेत्र ० हे ०९ आर जमीन ९५ गावाचे ग्रिड पाणी पुरवठा योजने करीता भूसंपादन करणे.

प्रकल्प कार्याचे वर्णन : मौजे तळेगाव तालूका मंठा जिल्हा जालना येथील जमीन ९५ गावाचे ग्रिड पाणी पुरवठा योजने करीता भूसंपादन करणे.भूसंपादन

अनुसूची-३

बाधीत व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे :

जमीन मालक यांची जमीन ९५ गावाचे ग्रिड पाणी पुरवठा योजने करीता गट क्रमांक ६७ मधील ० हे.०९ आर जमीन संपादीत करण्यात येत असल्यामुळे जमीन मालक विस्थापीत होत नाहीत किंवा संबंधीताचे पुनर्वसन करण्याची आवश्यकता नाही.

अनुसूची-४

सामाजिक परिणाम निर्धारण : नविन भूसंपादन कायदा २०१३ चे कलम ६ नुसार सामाजिक परिणाम निर्धारणातून सुट देण्यात आली आहे.

अनुसूची-०५

अ) मौजे तळेगाव ता.मंठा येथील ९५ गावाचे ग्रिड पाणी पुरवठा योजने करीता मौजे तळेगाव ता.मंठा येथील गट क्रमांक ६७ मधून ० हे.०९ आर जमीन संपादीत करण्यात येत आहे. सदर अधिसूचने द्वारे ज्या जमीनीची सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता आहे किंवा आवश्यकता भासण्याचा संभव आहे. त्यामुळे या कायद्याच्या कलम ११ चे उपकलम (१) खालील अधिसूचना प्रसिध्द करण्यात आली आहे. प्रारंभीक अधिसूचनेच्या तारखे पासून ६० दिवसाच्या आत हितसंबंधीत व्यक्तींना उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी परतूर जि.जालना यांचे कार्यालयात अक्षेप नोंदविता येतील.

ब) प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता : निरंक

क) ज्या अधिसूचने व्दारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे तो आदेश क्रमांक निरंक

उक्त जमीनीचा नकाशा उपविभागीय अधिकारी परतूर जि.जालना यांचे कार्यालयात पाहण्या करीता ठेवण्यात आला आहे.

भाऊसाहेब जाधव,
उपविभागीय अधिकारी
परतूर, जि. जालना.

२५

उपविभागीय अधिकारी परतूर यांजकडून

(भूमीसंपादन, पुनर्वसन, व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाईचा मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ चे कलम ११ (१) खालील अधिसूचना

जा.क्र.२०२२/भूसंपादन/सिआर- दिनांक २३.८.२०२२ ज्याअर्थी भूमीसंपादन पुनर्वसन व पुनर्व्यवस्थापन करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) ज्याच्या कलम ३ खंड ई व्दारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली शासकीय अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्रमांक संकीर्ण/११/२०१४/प्र.क्र.७७/अ-२ दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (यात यापुढे ज्याचा निर्देश उक्त अधिसूचना असा करण्यात आला आहे) यात यापुढे असे ही अधिसूचीत केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड-अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी एखाद्या जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसेल ईतक्या क्षेत्र करीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात जिल्हाधिकारी हे उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचने नुसार समिचित शासन असलेल्या जालना जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांनी या सोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशिलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त जमीन असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजना साठी (यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात आला आहे.) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण या सोबत जोडलेल्या अनुसूची दोन मध्ये दिलेले आहे आणि म्हणून उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) च्या तरतूदीन्वये याव्दारे असे अधिसूचीत करण्यात येते की, उक्त जमीनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी प्रस्तावित भूमी संपादनाच्या अनुषंगाने बाधीत व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे, या सोबत जोडलेल्या अनुसूची तीन मध्ये दिलेली आहेत. आणि ज्याअर्थी सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश या सोबत जोडलेल्या अनुसूची चार मध्ये दिलेले आहेत.

आणि ज्याअर्थी कलम ४३ च्या पोट कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशिल, या सोबत जोडलेल्या अनुसूची पांच मध्ये दिलेला आहे.

त्याअर्थी आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम ४ अनुसार कोणती ही व्यक्ती, ही अधिसूचना

प्रसिध्द झाल्याच्या दिनांका पासून ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधी पर्यंत उक्त जमीनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणता ही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमीनीवर कोणता ही भार निर्माण करणार नाही.

परंतू, उक्त जमीनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिकारी यांना विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमुद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतूदीच्या प्रवर्तनातून सूट देण्यात येईल. परंतू आनखी असे की, जर कोणत्या ही व्यक्तीने या तरतूदीचे बुध्दी पुरस्पर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्या ही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिकारी यांचे कडून भरपाई दिली जाणार नाही. तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ पोट कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमीसंपादन पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ यात या पुढे ज्याचा निर्देश उक्त नियम असा करण्यात आला आहे. याच्या नियम १० च्या उप नियम (३) व्दारे विहीत केल्या प्रमाणे भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये समुचित शासन असलेले जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखाली जिल्हाधिकारी यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी परतूर जि.जालना यांना पदनिर्देशित करण्यात येत आहे.

अनुसूची-१

जमीनीचे वर्णन

गावाचे नांव उस्वद देवठाणा तालूका : मंठा जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक भूमापन क्रमांक किंवा आवश्यक जमीनीचे

गट क्रमांक	अंदाजीत क्षेत्र हे.आर
१.	०४ ०.४५
२.	०५ ०.६०
३.	०६ ०.०५
एकूण	१.१०

अनुसूची-२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपा बाबत वर्णन

प्रकल्पाचे नांव : मौजे उस्वद देवठाणा ता.मंठा येथील कोल्हापुरी पध्दतीचे

बंधा-या करीता भूसंपादन

प्रकल्प कार्याचे वर्णन : मौजे उस्वद देवठाणा तालूका मंठा जिल्हा जालना येथील कोल्हापुरी पध्दतीचे बंधा-या करीता गट क्रमांक ४,५,६ मधून १ हे.१० आर जमीन संपादन करणे बाबत.

समाजास मिळणारे लाभ : मौजे उस्वद देवठाणा ता.मंठा जि.जालना येथील गट क्रमांक ४,५,६ मधून १ हे.१० आर जमीन संपादीत केल्यामुळे पाण्याची पातळी वाढेल व या कोल्हापुरी पध्दतीचे बंधा-याच्या पाण्याचा लाभ सिंचना साठी होऊन गावक-यांचे जिवनमान ऊंचावेले.

अनुसूची-३

बाधीत व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे :

सदरचा कोल्हापुरी पध्दतीचा बंधारा हा प्रवण भागातील जमीनीवर आहे. सदरचा कोल्हापुरी पध्दतीचा बंधारा हा दुर्गम भागात असून सदरचा को.प.बंधारा व्हावा या करीता शेतक-यांची संमती आहे. या कोल्हापुरी पध्दतीच्या बंधा-यामुळे कोणती ही व्यक्ती अथवा गावठाण बाधीत होत नसल्यामुळे पुनर्वसन करण्याची आवश्यकता नाही.

अनुसूची-४

सामाजिक परिणाम निर्धारण : नविन भूसंपादन कायदा २०१३ चे कलम ६ नुसार सामाजिक परिणाम निर्धारणातून सुट देण्यात आली आहे.

अनुसूची-०५

अ) सदरच्या कोल्हापुरी पध्दतीच्या बंधा-यामुळे गावातील जमीन ओलीताखाली येईल व गावातील शेतक-यांचे जिवनमान ऊंचावेले आणि सदरच्या पाझर तलावाच्या जवळील शेतातील विहीरीची पाण्याची पातळी ऊंचावेत. सदरचा पाझर हा दूर्गम भागाततील शेत जमीनीवर असून सदर पाझर तलावामुळे कोणती ही व्यक्ती अथवा गावठाणाची जमीन बाधीत होत नाही त्यामुळे पुनर्वसन करण्याची आवश्यकता नाही. ससब प्रशासक नियुक्तीचा प्रश्न उदभवत नाही.

ब) प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता : निरंक

क) ज्या अधिसूचने व्दारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे तो आदेश क्रमांक निरंक

उक्त जमीनीचा नकाशा उपविभागीय अधिकारी परतूर जि.जालना यांचे कार्यालयात पाहण्या करीता ठेवण्यात आला आहे.

भाऊसाहेब जाधव,
उपविभागीय अधिकारी
परतूर, जि. जालना.

२६

कार्यकारी अभियंता पैठण, यांजकडून

अधिसूचना - ३

जा.पा.वि/ना.न.(ऊ)/पैठण/पा.वा.सं./२६१०/दिनांक २३-०९-२०२२ -

ज्याअर्थी जलक्षमता निकषावर आधारित व प्रशासकीय सोयीच्या अनुषंगाने एमएमआयएसएफ ॲक्ट २००५, कलम ५, ६ व ७ नियम क्र. ३ नुसार पाणी वापर संस्थांचे कार्यक्षेत्र निश्चित करण्याचे असल्यामुळे मी श्री.पी. बी. जाधव कार्यकारी अभियंता जायकवाडी पाटबंधारे विभाग नाथनगर (उ) पैठण, या अधिसूचनेव्दारे खालील पाणी वापर संस्थांचे कार्यक्षेत्र निश्चित करित आहे आणि मी असे निर्देश देतो कि, अशा संस्थांचे अद्यावत व प्रमाणित नकाशे, शेतमालकांच्या /भोगवट दरांच्या याद्या ग्रामपंचायत तहसिल, सिंचन शाखा, उपविभाग व विभागिय कार्यालयाच्या व इतर प्रमुख सार्वजनिक ठिकाणी सूचना फलकावर लावण्यात याव्यात.

मी श्री.पी. बी. जाधव कार्यकारी अभियंता, जायकवाडी पाटबंधारे विभाग, नाथनगर (उ) पैठण या अधिसूचनेव्दारे असेही घोषित करू इच्छितो की, सामुच्चीत प्राधिकरण अशा संस्थांच्या कार्यक्षेत्रातील शेतमालकांना /भोगवटा धारकांना उक्त कायद्याच्या कलम -७ अन्वये व्यक्तिगत स्वतंत्ररित्या पाणी पुरवठा करण्यात येणार नाही आणि महाराष्ट्र सिंचन पध्दतीचे शेतक-यांकडून व्यवस्थापन कायदा २००५ या खाली येणा-या भूधारकांना / शेतमालकांना / भोगवटादारांना पाणी वापर संस्थे मार्फतच पाणी घेणे बंधनकारक राहील. तसेच सदर अधिसूचना -३ ही केवळ लाभधारक, हे उपरोक्त उल्लेखीत पाणी वापर संस्थेच्या सभासदत्वा पुरतीच मर्यादीत असून इतर कुठल्याही कारणास्तव अथवा उद्देशाने ही अधिसूचना पुरव्यादाखल सादर करता येणार नाही.

या अधिसूचनेमुळे / अधिसूचनेच्या काही भागामुळे बाधित होणा-या कुणालाही अधिसूचना शासकीय राजपत्रात प्रसिध्द झाल्याच्या तारखेपासुन

३० दिवसांच्या आत अधिक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास व प्राधिकरण यांचेकडे अपील करता येईल.

अनुसूची

प्रकल्पाचे नाव : जायकवाडी धरण, पैठण, मुख्य डावा कालवा

पाणी वापर संस्थेचे नाव : कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था भनंग जळगाव ता. घनसावंगी जि. जालना वितरिका क्र.२३/पै.मु.डा.का./जायकवाडी प्रकल्प पैठण

संस्थेचे कार्य क्षेत्र :- वितरिका क्र.२३/ जायकवाडी प्रकल्प

संस्थेचे एकुण क्षेत्र :- ७९०.०२ हे. (लागवडी लायक)

संस्थेचे एकुण क्षेत्र :- ७६७.५७ हे.(भिजुशकणारे) व उपसा ०० हे. गावनिहाय, गट निहाय, विमोचक निहाय क्षेत्र, मौजे भनंग जळगाव ता. घनसावंगी जि. जालना

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट क्र.	ला.ला. क्षेत्र	भिजणारे क्षेत्र
ओ.एल.-१/एम-१/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	उध्दव कुंडलिक कुढेकर	२६२	०.७७	०.७०
२.	रामचंद्र चत्रभूज कुढेकर	२६२	०.७७	०.७०
३.	श्रीमंत रामभाऊ कुढेकर	२४३	१.००	१.००
४.	रुखमिनबाई परमेश्वर कुढेकर	२४३	०.९९	०.९०
५.	बबन राघुजी कुढेकर	२६८	१.५२	१.५०
६.	विलास राघु कुढेकर	२६८	१.६८	१.६०
७.	सर्जेराव तुळशिराम कुढेकर	२६८	०.४१	०.४०
८.	सुभाष त्रिंबक कुढेकर	२६८	०.४१	०.४०
९.	राघु किसन कुढेकर	२६८	०.१८	०.१५
१०.	सत्यशिला विलास कुढेकर	२६८	०.८३	०.८०
११.	भागवत नामदेव कुढेकर	२५३	०.३२	०.३०
१२.	कल्याण अंबादास कुढेकर	२६१	०.३५	०.३०
१३.	पांडुरंग अंबादास कुढेकर	२६१	०.३५	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१४.	अंकुश शंकर कुढेकर	२५९	०.४०	०.४०
१५.	रामनाथ भानुदास कुढेकर	२६३	१.३७	१.३०
१६.	उध्दव कुंडलिक कुढेकर	२६३	०.३५	०.३०
१७.	रामनाथ भानुदास कुढेकर	२५२	०.३६	०.३०
१८.	सुभाष कुंडलिक कुढेकर	२४९	०.५४	०.५०
१९.	ज्ञानेश्वर मनोहर कुढेकर	२४९	०.४०	०.४०
२०.	भिमराव रावसाहेब वाघुंडे	२४९	०.४०	०.४०
२१.	गणेश भागवत कुढेकर	२४९	०.५०	०.५०
२२.	रामचंद्र चत्रभुज कुढेकर	२५०	१.३१	१.३१
२३.	सरस्वती बन्सी कुढेकर	२५०	०.८०	०.८०
२४.	रामनाथ भानुदास कुढेकर	२५०	०.३६	०.३०
२५.	बाबासाहेब लक्ष्मण कुढेकर	२५४	०.१५	०.१०
२६.	मनोहर सावळीराम कुढेकर	२५४	०.४३	०.४०
२७.	सर्जेराव तुळशिराम कुढेकर	२५४	०.१२	०.१०
२८.	नवनाथ श्रीमंत कुढेकर	२५६	०.३१	०.३०
२९.	रुखमिनबाई परमेश्वर कुढेकर	२५६	०.३०	०.३०
३०.	गणेश सर्जेराव कुढेकर	२५७	०.२४	०.२०
३१.	सर्जेराव तुळशिराम कुढेकर	२५७	०.२४	०.२०
३२.	कृष्णाबाई बबन कुढेकर	२६०	१.११	१.१०
३३.	बाबासाहेब लक्ष्मण कुढेकर	२६९	०.४२	०.४०
३४.	भिमराव लक्ष्मण कुढेकर	२६९	०.९१	०.९०
३५.	महादेव लक्ष्मण कुढेकर	२६९	०.९१	०.९०
३६.	मथुराबाई ज्ञानदेव चौरे	२६९	०.२३	०.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३७.	ज्ञानेश्वर बाबासाहेब कुढेकर	२६९	०.४५	०.४०
३८.	रत्नाकर महादेव कुढेकर	२६९	०.१०	०.१०
		एकुण	२२.२९	२१.१६
ओ. एल.-२/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	प्रभाकर जिजा गोरे	२४७	०.२७	०.२०
२.	लक्ष्मण शेषराव गोरे	२४७	०.८१	०.८०
३.	रामेश्वर भगवान गोरे	२४७	०.८०	०.८०
४.	परमेश्वर भगवान गोरे	२४७	०.८०	०.८०
५.	ज्ञानेश्वर मनोहर कुढेकर	२४७	०.९७	०.९०
६.	रुखमीनबाई श्रीमंत कुढेकर	२४६	०.९०	०.९०
७.	वसीम नासेर सय्यद	२४५	१.८४	१.८०
८.	भिमराव रावसाहेब वाघुंडे	२४४	१.०३	१.००
९.	गणेश भागवत कुढेकर	२४४	०.४०	०.४०
१०.	नसीर जाफर सय्यद	२४४	१.१७	१.१०
११.	अंकुश नारायण डोईफोडे	२४८	१.७२	१.७०
१२.	प्रभाकर जीजा गोरे	२४८	०.५४	०.५०
१३.	निखील अंकुश डोईफोडे	२४८	१.९५	१.९०
१४.	अर्जून नारायण डोईफोडे	२३८	१.२४	१.२०
		एकुण	१४.४४	१४.००
मा. नं.-१/ओ.एल.-२/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अशोक किसनराव रिठे	४८	०.४०	०.४०
	भानुदास किसनराव रिठे			
	गंगुबाई पुंजाराम रिठे			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२.	भानुदास किसन रिटे	४८	०.६१	०.६०
३.	अशोक किसन रिटे	४८	०.६१	०.६०
४.	लक्ष्मण यशवंता रिटे	४७	२.१०	२.१०
५.	अर्जून नारायण डोईफोडे	२४१	१.००	१.००
६.	सर्जेराव तुळशिराम कुढेकर	२४१	०.९०	०.९०
७.	सुभाष त्रिंबक कुढेकर	२४१	०.९०	०.९०
८.	सुरेश कामाजी राठोड	६०	१.०६	१.००
९.	बुर्दाक शेख वजीर शेख	६०	१.०६	१.००
१०.	जाकेराबी शे. वजीर	६४	०.७५	०.७०
११.	अनिता भाऊलाल राठोड	६४	०.३५	०.३०
	राजेश धुमसिंग राठोड			
	विजय धुमसिंग राठोड			
	संगिता सुभाष राठोड			
१२.	स. सलीम स. मुनिरोदीन	७१	३.४१	३.४०
१३.	फयूम नाजीम सय्यद	७१	१.६२	१.६०
१४.	पंचफुलाबाई नामदेव बर्डे	५१	१.६२	१.६०
१५.	गंगुबाई धोंडीराम गायकवाड	५१	१.२६	१.२०
१६.	जगदीश निवृत्ती कुढेकर	४९	०.७९	०.७०
१७.	रामेश्वर निवृत्ती कुढेकर	४९	०.७९	०.७०
		एकुण	१९.२३	१८.७०
ओ.आर-१ए/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	लताबाई गणपत कंटोले	२१५	०.१८	०.१५
२.	निवृत्ती लक्ष्मण गोरे	२१५	०.७०	०.७०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३.	लिंबाजी बापुराव कनके	२१५	०.४०	०.४०
४.	सखाराम तुकाराम लाड	२१५	०.४०	०.४०
५.	गंगाधर लक्ष्मण गोरे	२१५	०.६०	०.६०
६.	आशोक रामा फासाटे	२१५	०.३५	०.३०
७.	विष्णु रामा फासाटे	२१५	०.३४	०.३०
८.	दिपक संतोष कनके			
	अपाक वडील			
	संतोष प्रल्हाद कनके	२१५	०.८०	०.८०
		एकुण	३.७७	३.६५
मा.नं.-१/ओ.एल.-३/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	सुभाष रामनाथ कनके	५६	१.०६	१.००
२.	शेषराव शिवनाथ कनके	५७	०.३१	०.३०
३.	शकुंतला भ्र. सुभाष कनके	५७	०.३१	०.३०
४.	चंद्रकला रामनाथ कनके	५७	०.६३	०.६०
५.	संभाजी आप्पा कनके	५९	१.१०	१.१०
६.	पांडुरंग श्रीमंत कनके	५९	१.१०	१.१०
७.	बाळासाहेब जगन्नाथ कनके	५९	१.१०	१.१०
८.	कल्याण जगन्नाथ नरवडे	६०	०.८१	०.८०
	बाळासाहेब जगन्नाथ नरवडे			
	राम जगन्नाथ नरवडे			
	गयाबाई जगन्नाथ नरवडे			
९.	भगवान जिजाभाऊ गोरे	६१	०.४१	०.४०
१०.	शेषराव जिजाभाऊ गोरे	६१	०.६५	०.६०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
११.	प्रभाकर जिजाभाऊ गोरे	६१	०.६४	०.६०
१२.	जगन्नाथ गीताराम आडाणी	५२	०.९९	०.९०
१३.	मुरलीधर गीताराम आडाणी	५२	१.३९	१.३०
१४.	पांडुरंग भाऊसाहेब मस्के	५२	०.४०	०.४०
१५.	विलास श्रीरंग पवार	५३	१.२०	१.२०
१६.	शाम भगवत घेर	५०	०.९०	०.९०
१७.	राहुल भागवत घेर	५०	०.९०	०.९०
१८.	सचिन भागवत घेर	५०	०.९०	०.९०
१९.	सरदार दासु राठोड	६३	१.२३	१.२०
२०.	संतोष भिमराव चव्हाण	६३	०.४०	०.४०
२१.	अंकुश लालसिंग राठोड	६३	०.४०	०.४०
२२.	कलाबाई विलास राठोड	६३	०.४०	०.४०
२३.	दिपक लालसिंग राठोड	६३	०.२०	०.२०
२४.	सुहास विलास यादव	६३	०.४०	०.४०
२५.	सत्यभामा भोळाराम यादव	६३	०.२२	०.२०
२६.	व्दारकादास शेषराव कनके	५५	१.०१	१.००
२७.	भानुदास बापुराव कसाब	५४	०.११	०.१०
२८.	भाऊराव रामभाऊ एसलोटे	५४	१.०१	१.००
२९.	विठ्ठलराव सदाराव जगताप	५४	१.५८	१.५०
३०.	गणेश देविदास गोरे	५४	०.८०	०.८०
३१.	व्दारकाबाई शेषराव गोरे	५४	०.४१	०.४०
३२.	राजेश रुस्तुम पानखडे	५४	०.८०	०.८०
३३.	परसराम शेषराव जगताप	५३	२.०२	२.००

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३४.	बाजीराव नामदेव जगताप	५३	०.८०	०.८०
३५.	हिराबाई परसराम जगताप	५३	१.०१	१.००
३६.	पांडुरंग बाजीराव जगताप	५३	२.२५	२.२०
		एकुण	२९.८५	२९.२०
मा.नं.-१/ओ.एल.-४/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	आरुणाबाई सुदाम एसलोटे	१८	०.५९	०.५०
२.	आसाराम रखमाजी घोलप	१८	०.४०	०.४०
३.	कैलास कांता खराबे	१८	०.९६	०.९०
४.	गयाबाई राधाकिसन एसलोटे	१८	०.८१	०.८०
५.	बाबुराव आप्पाराव चव्हाण	१८	१.००	१.००
६.	शिवाजी बापुराव एसलोटे	१८	०.२०	०.२०
७.	विष्णु रखमाजी घोलप	१८	०.४१	०.४०
८.	गंगासागर अनिल खराबे	१८	०.९५	०.९०
९.	परमेश्वर अंबादास पघळ	१८	०.१७	०.१०
१०.	संतोष शिवाजी एसलोटे	१७	०.२३	०.२०
	आपाक शिवाजी बाबुराव			
११.	राधाकिसन पंडाजी एसलोटे	१६	०.७१	०.७०
१२.	सुदाम राधाकिसन एसलोटे	१६	१.३०	१.३०
१३.	विष्णु सुदाम एसलोटे	१६	१.१०	१.१०
१४.	गणेश गोवर्धन काळे	१५	१.००	१.००
१५.	त्रिंबक नाथ काळे	१५	२.८४	२.८०
१६.	गणेश गोवर्धन काळे	१४	१.०१	१.००
१७.	तारामती गोवर्धन काळे	१४	२.८९	२.८०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१८.	पांडुरंग रावसाहेब खोटे	४६	२.००	२.००
१९.	प्रल्हाद रावसाहेब खोटे	४६	१.१६	१.१०
२०.	नारायण गोपीनाथ कसाब	४६	१.००	१.००
२१.	उध्दव गोपीनाथ कसाब	४६	१.२०	१.२०
२२.	विठ्ठल प्रल्हाद खोटे	४६	१.३६	१.३०
२३.	तुळशीराम पंडीतराव माने	४६	०.८०	०.८०
		एकुण	२४.०९	२३.५०
मा. नं.-१/टेल/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	दादासाहेब कुंडलिक कुढेकर	२२९	०.१७	०.१०
२.	शे. रसुल शे. नबी	२२९	१.२३	१.२०
३.	सरस्वती बनी कुढेकर	२२९	०.४०	०.४०
४.	केशव रामभाऊ सोळुंके	२३०	१.००	१.००
५.	चंद्रकला केशव सोळुंके	२३०	०.८१	०.८०
६.	गोरखनाथ विष्णु सोळुंके	२३०	०.४७	०.४०
७.	नितीन मदन मानेकर	२३०	०.४०	०.४०
८.	अंकुश शेषराव काळे	२२४	०.४५	०.४०
९.	दत्त तुकाराम काळे	२२४	१.११	१.१०
१०.	रामप्रसाद अंकुश काळे	२२४	०.३२	०.३०
११.	सुमनबाई बप्पासाहेब काळे	२२४	०.३२	०.३०
१२.	गणपत रामभाऊ घोडके	२२४	०.८०	०.८०
१३.	इंद्राबाई बाजीराव धनवे	२२१	०.४५	०.४०
१४.	नारायण गोपीनाथ खोजे	२२१	०.८४	०.८०
	विश्वनाथ गोपीनाथ खोजे			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१५.	शेषकलाबाई भिमराव धनवे	२१९	०.८७	०.८०
१६.	अर्जून सुर्यभान डोईफोडे	२२८	१.०९	१.००
	भिमराव सुर्यभान डोईफोडे			
	शरद सुर्यभान डोईफोडे			
१७.	ज्ञानेश्वर भगवान डोईफोडे	२२६	०.५२	०.५०
१८.	रामेश्वर विष्णु डोईफोडे	२२६	०.५३	०.५०
१९.	योगेश केशव डोईफोडे	२२६	०.५३	०.५०
२०.	सतिष उध्दव कुढेकर	२५१	०.५३	०.५०
२१.	अशोक उत्तमराव	२१७	०.७२	०.७०
२२.	भागवत भिमराव धनवे	२१७	०.३५	०.३०
२३.	अर्जून किसनराव ढगे	२१७	०.२५	०.२०
२४.	शेषराव उत्तमराव खणसे	२१७	०.४२	०.४०
		एकुण	१४.५८	१३.८०
सब.मा.नं.-१/टेल/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	संगिता सुदाम सेवलीकर	२३१	०.४०	०.४०
२.	प्रल्हाद बापुराव कनके	२३१	०.२०	०.२०
३.	बाळकृष्ण सुदाम सेवलीकर	२३१	०.२०	०.२०
४.	सुनिता सुदाम सेवलीकर	२३१	०.८०	०.८०
५.	संतोष दत्तात्रय काळे	२३१	०.८०	०.८०
६.	प्रभाकर भानुदास खराबे	२३७	०.४०	०.४०
७.	रघुनाथ भानुदास खराबे	२३७	०.३९	०.३०
८.	सतिष प्रल्हाद कावळे	२३७	१.०१	१.००
९.	शारदाबाई शेषराव कनके	२३७	१.४०	१.४०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१०.	दत्तात्रय भिमराव तेलकर	२३७	०.५०	०.५०
११.	तुकाराम भानुदास खराबे	२३७	०.४०	०.४०
१२.	बप्पासाहेब निवृत्ती बहिर	२३७	०.२४	०.२०
१३.	लंकाबाई गोकुळ खराबे	२३७	०.४०	०.४०
१४.	पुरुषोत्तम प्रल्हाद कावळे	२३७	१.०१	१.००
१५.	रुखमीनबाई भिमराव तेलकर	२३७	०.४०	०.४०
१६.	इंदराबाई बाजीराव धनवे	२३३	०.४०	०.४०
१७.	भिमराव किसनराव धनवे	२३३	१.२२	१.२०
१८.	भागवत भिमराव धनवे	२३५	१.४४	१.४०
१९.	भगवान राघुजी हिंगे	२३६	१.१८	१.१०
२०.	महादेव हरीचंद्र हिंगे	२३६	०.८३	०.८०
२१.	भास्कर विष्णु शिरसाठ	२१४	०.८६	०.८०
२२.	दिनकर मदन बर्वे	२१४	१.६०	१.६०
२३.	सोपान नारायण डोईफोडे	२१४	२.४६	२.४०
२४.	गोदावरी विष्णु शिरसाठ	२१४	०.८७	०.८०
२५.	पांडुरंग मदन बर्वे	२१४	१.६०	१.६०
२६.	अर्जून विश्वनाथ नखाते	२३२	१.८१	१.८०
२७.	काशीनाथ विश्वनाथ	२३२	१.४१	१.४०
२८.	रामेश्वर काशीनाथ नखाते	२३२	१.४०	१.४०
२९.	गणेश अर्जून नखाते	२३२	१.००	१.००
३०.	शिवाजी पांडुरंग डोईफोडे	२३४	०.३०	०.३०
३१.	सुषमा शिवाजी डोईफोडे	२३४	१.०४	१.००
३२.	अपाक गिता राजू डोईफोडे	२३९	१.२८	१.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
	रुद्र राजू डोईफोडे			
३३.	अर्जून नारायण डोईफोडे	२३८	१.२४	१.२०
		एकुण	३०.४९	२९.८०
मा. नं.-२/ओ.एल.-१/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	देवराव पंडाजी एसलोटे	१३	२.५५	२.५०
२.	लक्ष्मण देवराव एसलोटे	१३	२.४०	२.४०
३.	तुळशिराम बापुराव एसलोटे	१२	१.०७	१.००
४.	मोहन बापुराव एसलोटे	१२	१.०७	१.००
५.	रामभाऊ साहेबराव एसलोटे	१२	०.४०	०.४०
६.	अशोक आण्णासाहेब एसलोटे	१२	०.८३	०.८०
७.	भागवत भिमराव एसलोटे	११	१.२३	१.२०
८.	डिंगांबर भिमराव एसलोटे	११	१.०३	१.००
९.	विनायक भाऊराव एसलोटे	११	१.२३	१.२०
१०.	मेघनाथ बळीराम काळे	११	०.२०	०.२०
११.	बाबासाहेब किसन सुभेदार	५८	१.१६	१.१०
१२.	भगवान किसन सुभेदार	५८	०.४७	०.४०
१३.	मधुकर किसनराव पिसाळ	५८	१.६१	१.६०
१४.	सिध्देश्वर भगवान सुभेदार	५८	१.६०	१.६०
१५.	बापुसाहेब भगवान सुभेदार	५८	१.६०	१.६०
१६.	शे. नाजीमाबी शे. सलीम	५८	१.१६	१.१०
१७.	प्रल्हाद रंगनाथ एसलोटे	६	१.२०	१.२०
१८.	रंगनाथ पंडाजी एसलोटे	६	०.५५	०.५०
१९.	संपत रंगनाथ एसलोटे	६	१.२०	१.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२०.	मिनाबाई परमेश्वर एसलोटे	९	०.६३	०.६०
		एकुण	२३.१९	२२.६०
मा. नं.-२/टेल/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अप्पा सावळाराम धोत्रे	२३९	०.६८	०.६०
२.	एकनाथ साहेबराव खराबे	२३९	०.४०	०.४०
३.	कल्याण साहेबराव खराबे	२३९	०.३९	०.३०
४.	बबन यादवराव तिगुळे	२३९	०.४०	०.४०
५.	राजाराम सुखदेव मिस्त्री	२३९	०.८०	०.८०
६.	राजेंद्र पंढरीनाथ खराबे	२३९	०.४०	०.४०
	सिताराम पंढरीनाथ खराबे			
	गणेश पंढरीनाथ खराबे			
७.	रामदास यादवराव तिगुळे	२३९	०.४०	०.४०
८.	अशोक दिगंबर तायडे	२३८	१.१०	१.१०
९.	अप्पा सावळाराम धोत्रे	२३८	०.३१	०.३०
१०.	कल्याण साहेबराव खराबे	२३८	०.४०	०.४०
११.	नामदेव बापुराव मरकड	२३८	०.४५	०.४०
१२.	शंकर तात्यावर खराबे	२३८	०.७२	०.७०
१३.	जगन्नाथ आसाराम खराबे	२३८	०.३६	०.३०
१४.	सुधाकर आसाराम खराबे	२३८	०.३६	०.३०
१५.	कचरु मैनाजी वाघमारे	२४०	१.२७	१.२०
१६.	दिगांबर रायभान बहिर	२४०	०.४०	०.४०
	श्री खंडोबा देवस्था	२४०	१४.३७	१४.००
१७.	बप्पासाहेब निवृत्ती बहिर	२४०	१.९४	१.९०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१८.	बाळासाहेब कल्याण खराबे	२४०	०.८१	०.८०
१९.	डिगांबर रायभान बहिर	२४०	०.८०	०.८०
२०.	तुळशीराम साहेबराव बोरडे	२४२	१.०५	१.००
२१.	मंदाबाई साहेबराव बोरडे	२४२	१.२६	१.२०
२२.	मुक्ताबाई साहेबराव	२४२	१.२४	१.२०
२३.	सुभाष साहेबराव	२४२	१.२५	१.२०
२४.	सिंधुबाई तुळशीराम बोर्डे	२४२	०.२०	०.२०
२५.	रामकिसन मारोती बोरडे	२४१	२.३०	२.३०
२६.	प्रभाकर भानदास खराबे	२३७	०.४०	०.४०
२७.	रघुनाथ भानदास खराबे	२३७	०.३९	०.३०
२८.	सतिष प्रल्हाद कावळे	२३७	१.०१	१.००
२९.	शारदाबाई शेषराव कनके	२३७	१.४०	१.४०
३०.	दत्तात्रय भिमराव तेलकर	२३७	१.६३	१.६०
३१.	विठ्ठल भिमराव तेलकर	२३७	०.५०	०.५०
३२.	तुकाराम भानुदास खराबे	२३७	०.४०	०.४०
३३.	बप्पासाहेब निवृत्ती बहिर	२३७	०.२४	०.२०
३४.	लंकाबाई गोकुळ खराबे	२३७	०.४०	०.४०
३५.	पुरुषोत्तम प्रल्हाद कावळे	२३७	१.०१	१.००
३६.	रुखमीनबाई भिमराव तेलकर	२३७	०.४०	०.४०
३७.	प्रदीप कांताराव खराबे	२३५	२.०१	२.००
३८.	जगन्नाथ किसन नरवडे	२३२	०.४०	०.४०
३९.	दगडू भानदास हराळे	२३२	१.६१	१.६०
४०.	शशिकला भानदास हराळे	२३२	१.६१	१.६०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
	बडु भानदास हराळे			
४१.	भानुदास नामदेव हराळे	२३२	०.३७	०.३०
४२.	मारोतराव माणिकराव गुंजकर	२३२	१.५९	१.५०
४३.	रंगनाथ मुरलीधर तांदळे	२३२	१.८०	१.८०
४४.	ज्ञानेश्वर भिकाजी भोजने	२३२	१.००	१.००
४५.	एकनाथ मोहन भोजने	२३२	०.५०	०.५०
४६.	रामेश्वर पाराजी तांदळे	२३२	१.४०	१.४०
४७.	रंगनाथ मुरलीधर तांदळे	२३६	०.५६	०.५०
४८.	अन्नापुर्णा पाराजी तांदळे	२३६	०.५५	०.५०
		एकुण	५५.२४	५३.७५
मा. नं.-३/टेल ए/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	भाऊसाहेब देविदास वावरे	४१४	१.०६	१.००
	जय बाळासाहेब तळेकर			
	किशोर देविदास वावरे			
	देविदास भाऊराव वावरे			
२.	देविदास भाऊराव वावरे	४१४	१.०६	१.००
३.	किशोर देविदास वावरे	४१४	१.०६	१.००
४.	भाऊसाहेब देविदास वावरे	४१४	१.०६	१.००
५.	विश्वास भगवान घोडके	४१३	१.२९	१.२०
६.	अभिमान भानुदास चांभारे	४१३	०.४८	०.४०
७.	शिवप्रसाद अंबादास भोपळे	४१३	१.६१	१.६०
८.	अशोक भगवान घोडके	४१३	१.२०	१.२०
९.	परमेश्वर अभिमान चांभारे	४१३	०.४०	०.४०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१०.	सुगंधा शंकर दाबुक	४१७	१.३३	१.३०
	गणेश शंकर दाबुक			
	ज्ञानेश्वर शंकर दाबुक			
अनिता दत्तात्रय दहिभाते				
११.	रामेश्वर नारायण दाबुक	४१७	०.६६	०.६०
१२.	समिंदर नारायण दाबुक	४१७	०.६६	०.६०
	अशोक नारायण दाबुक			
१३.	उमेश बापुसाहेब पुराणिक	४१८	२.६१	२.६०
१४.	रमेश बापुसाहेब पुराणिक	४१८	०.६१	०.६०
१५.	गणेश रमेश पुराणिक	४१८	१.००	१.००
१६.	शुभम रमेश पुराणिक	४१८	१.००	१.००
१७.	कल्याण बाबासाहेब कळकटे	४१९	२.००	२.००
१८.	विराज कल्याण कळकटे	४१९	०.१४	०.१०
१९.	सुभाष बाबासाहेब कळकटे	४२०	२.००	२.००
२०.	शिवराज सुभाष कळकटे	४२०	०.६०	०.६०
२१.	विराज कल्याण कळकटे	४२०	०.४७	०.४७
२२.	दत्तात्रय रावसाहेब कळकटे	४२७	१.८४	१.८०
२३.	दिगांबर रावसाहेब कळकटे	४२७	२.०२	२.००
२४.	कावेरीबाई दिगांबर कळकटे	४२७	२.००	२.००
२५.	शरद दत्तात्रय कळकटे	४२७	१.००	१.००
२६.	ज्ञानेश्वर भानुदास शिंदे	४०२	०.३३	०.३०
२७.	राणी रमेश घोडके	४०२	०.८०	०.८०
	राहुल रमेश घोडके			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
	उषा रमेश घोडके			
२८.	गणेश मुरलीधर घोडके	४०२	१.०८	१.००
२९.	नितीन दिगंबर कळकटे	४०२	१.०८	१.००
३०.	शिवाजी भाऊसाहेब कळकटे	४०२	०.८०	०.८०
३१.	संभाजी भाऊसाहेब कळकटे	४०२	०.८०	०.८०
३२.	सुदर्शन डिगांबर कळकटे	४०२	१.०८	१.००
३३.	गणेश निवृत्ती कळकटे	४११	२.९०	२.९०
३४.	नंदाबाई जगन्नाथ कळकटे	४२६	०.२६	०.२०
३५.	साहेबराव मानसिंग कळकटे	४२६	०.४०	०.४०
३६.	अमोल शिवाजीराव कळकटे	४२६	०.२४	०.२०
३७.	सुभद्राबाई सावळहरी खट	४१२	०.७०	०.७०
३८.	जनार्दन साहेबा दाबुक	४१२	१.१५	१.१०
३९.	लक्ष्मण साहेबा दाबुक	४१२	०.६५	०.६०
४०.	भारती गणेश म्हरके	४१२	०.२०	०.२०
४१.	आण्णासाहेब रावसाहेब			
	कळकटे	१९	१.५०	१.५०
४२.	निवास आण्णासाहेब कळकटे	१९	१.५०	१.५०
४३.	इंदुमती आण्णासाहेब कळकटे	१८	०.४६	०.४६
४४.	तुनिषा श्रीनिवास कळकटे	१८	०.४६	०.४६
४५.	तुळशीराम एकनाथ शिंदे	२०	०.५४	०.५४
४६.	निवृत्ती एकनाथ शिंदे	२०	०.५४	०.५४
४७.	सिया ज्ञानदेव शिंदे	२०	०.५३	०.५३
४८.	रामकिसन भानुदास कळकटे	१४	०.७८	०.७८

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
४९.	रंजना श्रीकिसन कळकटे	१४	०.७८	०.७८
५०.	वसंत प्रभाकर कळकटे	२५	०.७८	०.७८
		एकुण	४९.५०	४८.३४
ओ.एल-५/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	पांडुरंग रावसाहेब खोटे	४६	२.००	२.००
२.	प्रल्हाद रावसाहेब खोटे	४६	१.१६	१.१०
३.	नारायण गोपीनाथ कसाब	४६	१.००	१.००
४.	उध्दव गोपीनाथ कसाब	४६	१.२०	१.२०
५.	विठ्ठल प्रल्हाद खोटे	४६	१.३६	१.३०
६.	तुळशीराम पंढरीनाथ माने	४६	०.८०	०.८०
७.	पदमाबाई बप्पाजी घोलप	१९	०.२७	०.२०
	लक्ष्मण बप्पाजी घोलप			
	रामा बप्पाजी घोलप			
	नर्मदा रामा घोलप			
८.	रखमाजी बापुराव घोलप	१९	०.३९	०.३०
९.	रामराव बापुराव कोरडे	१९	०.८२	०.८०
१०.	लिंबाजी मनोहर घोलप	१९	०.७४	०.७०
११.	शामराव मारोती पघळ	१९	०.८१	०.८०
१२.	प्रभाकर पांडुरंग घोलप	१९	०.६०	०.६०
१३.	लक्ष्मी लिंबाजी घोलप	१९	०.२८	०.२०
१४.	पांडुरंग बापुराव घोलप	१९	०.६०	०.६०
१५.	पांडुरंग रावसाहेब खोटे	२०	२.००	२.००
१६.	विष्णु रावसाहेब खोटे	२०	१.७५	१.७०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१७.	आशाबाई विष्णु खोटे	२०	१.२०	१.२०
१८.	गजानन प्रल्हाद सांगळे	२०	०.८०	०.८०
		एकुण	१७.७८	१७.३०
ओ.एल-६/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अंबादास देवराळ पघळ	२२३	०.६१	०.६०
२.	मदन शामराव पघळ	२२३	०.६१	०.६०
३.	सुंदर शामराव पघळ	२२३	१.८५	१.८०
४.	राजेंद्र रंगनाथ दानशूर	२०९	१.०२	१.००
५.	संगिता गंगाधर दानशूर	२०९	०.५३	०.५०
६.	अनिता अर्जुनराव मोताळे	२०९	०.५३	०.५०
७.	सविता सुभाष किडे	२०९	०.५४	०.५०
८.	किशोर प्रभाकर दानशूर	२०९	१.०२	१.००
९.	नामदेव कान्हू गावडे	२२५	१.६०	१.६०
१०.	सवित्रीबाई नामदेव गावडे	२२५	१.००	१.००
११.	बप्पासाहेब बाबुराव गावडे	२२६	१.८३	१.८०
१२.	गोदावरी बप्पासाहेब गावडे	२२६	०.८०	०.८०
१३.	अशोक एकनाथ तलेकर	२२४	०.५०	०.५०
१४.	सखाराम ज्ञानदेव तेलकर	२२४	०.५०	०.५०
१५.	मदन शामराव पघळ	२१०	०.५८	०.५०
१६.	सुंदर शामराव पघळ	२१०	०.५८	०.५०
१७.	सावित्रीबाई नामदेव गावडे	२१०	०.४०	०.४०
१८.	रामेश्वर श्रीमंत नांदे	२२७	१.२०	१.२०
१९.	गजानन प्रल्हाद सांगडे	२२७	१.२०	१.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२०.	मंगलाबाई डिगांबर पंडीत	२२७	०.५८	०.५०
२१.	शरद शिवाजी एसलोटे	२२७	१.१७	१.१०
२२.	जयश्री दशरथ नांदे	२२७	०.४०	०.४०
२३.	आप्पा सावळाराम धोत्रे	२३९	०.६५	०.६०
२४.	एकनाथ साहेबराव खराबे	२३९	०.४०	०.४०
२५.	कल्याण साहेबराव खराबे	२३९	०.३९	०.३०
२६.	बबन यादवराव तिगुळे	२३९	०.४०	०.४०
२७.	राजाराम सुखदेव मिस्त्री	२३९	०.३०	०.३०
२८.	राजेंद्र पंढीनाथ खराबे	२३९	०.४०	०.४०
	सिताराम पंढरीनाथ खराबे			
	गणेश पंढरीनाथ खराबे			
२९.	रामदास यादवराव तिगुळे	२३९	०.४०	०.४०
३०.	आसाराम रखमाजी घोलप	२१३	०.२०	०.२०
३१.	किशोर पांडुरंग साबळे	२१३	०.२०	०.२०
३२.	भानदास मारोती साबळे	२१३	०.७६	०.७०
३३.	इंदुबाई भाऊसाहेब साबळे	२१३	०.११	०.१०
३४.	संतोष प्रल्हाद कनके	२१३	०.२८	०.२०
३५.	रुषीकेश पांडुरंग साबळे	२१३	०.२०	०.२०
३६.	कृष्णा काशीनाथ साबळे	२१३	०.१५	०.१०
३७.	पवन लिंबाजी कनके	२१३	०.१२	०.१०
	अपाक लिंबाजी बापुराव			
३८.	अशोक डिगांबर तायडे	२३८	१.१०	१.१०
३९.	आप्पा सावळाराम	२३८	०.३१	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
४०.	कल्याण साहेबराव खराबे	२३८	०.४०	०.४०
४१.	नामदेव बापुराव मरकड	२३८	०.४५	०.४०
४२.	शंकर तात्याराव खराबे	२३८	०.७२	०.७०
४३.	जगन्नाथ आसाराम खराबे	२३८	०.३६	०.३०
४४.	सुधाकर आसाराम खराबे	२३८	०.३६	०.३०
४५.	सागरबाई बाबासाहेब कनके	२११	०.४०	०.४०
४६.	बाबासाहेब भिमराव कनके	२११	१.११	१.१०
४७.	सर्जेराव भिमराव कनके	२११	१.११	१.१०
४८.	अशोक दिगंबर तायडे	२३१	०.५३	०.५०
४९.	केशव दिगंबर तायडे	२३१	१.६०	१.६०
५०.	बंडु भानदास इराळे	२३१	०.१२	०.१०
	शशिकला भानदास इराळे			
५१.	ज्ञानेश्वर भिकाजी भोजने	२३१	०.१३	०.१०
५२.	संतोष भिकाजी भोजने	२३१	१.३५	१.३०
५३.	सुनिता भिका भोजने	२३१	०.२०	०.२०
५४.	एकनाथ मोहन भोजने	२३१	०.९५	०.९०
५५.	संतोष प्रल्हाद कनके	२३१	०.४५	०.४०
५६.	उषा केशव तायडे	२३१	१.००	१.००
५७.	गंगुबाई अशोक तायडे	२३१	०.८०	०.८०
५८.	शिवकन्या गोविंदराव साळुंके	२३१	०.९३	०.९०
५९.	रघुनाथ आप्पाराव कदम	२३१	०.१३	०.१०
	अपाक सतिष आप्पासाहेब			
	कदम			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
		एकूण	३८.५२	३७.१०
ओ.एल-७/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	आयुष बापुजी	२१९	०.६२	०.६०
२.	आशाबाई लिंबा	२१९	२.००	२.००
३.	किसन तुकाराम भोसले	२१९	१.२०	१.२०
४.	गयाबाई लिंबा उबाळे	२१९	२.००	२.००
५.	लिंबा बाबुराव उबाळे	२१९	०.१०	०.१०
६.	रुखसाना युनूस पठाण	२१९	०.६०	०.६०
७.	शे. अहेमद शे. बापुजी	२२०	०.३९	०.३०
८.	शे. रफिक शे. अहेमद	२२०	०.४०	०.४०
९.	शे. समद शे. अहेमद	२२०	०.४०	०.४०
१०.	अपाक संतोष प्रल्हाद	२२०	१.१९	१.१०
	दिपक संतोष कनके			
११.	वैशाली संतोष कनके	२१२	०.६२	०.६०
१२.	गंगाबाई प्रल्हादराव कनके	२१२	२.००	२.००
१३.	रमेश प्रल्हाद धोंडगे	२३०	०.७८	०.७८
१४.	प्रल्हाद आसराजी धोंडगे	२३०	०.४०	०.४०
१५.	पांडुरंग प्रल्हाद धोंडगे	२२८	०.६१	०.६१
		एकूण	१३.३१	१३.०९
ओ.एल-८/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	किसन तुकाराम भोसले	१८७	०.९१	०.९०
२.	भानदास मारोती साबळे	१८७	०.९७	०.९०
३.	कल्याण जगन्नाथ नरवडे	१८७	०.८१	०.८०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
	रामा जगन्नाथ नरवडे			
	बाळासाहेब जगन्नाथ नरवडे			
	गयाबाई जगन्नाथ नरवडे			
४.	नाना साहेबराव शेंडगे	१८७	१.६२	१.६०
		एकुण	४.३१	४.२०
ओ.एल-९/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	राजाराम शिवराम साबळे	१७९	१.२९	१.२०
२.	विनोद राजाराम साबळे	१७९	१.३०	१.३०
३.	रनजीत राजाराम साबळे	१७९	१.३०	१.३०
४.	राधाबाई प्रल्हाद कनके	१८२	०.९१	०.९०
५.	डिगांबर भागवत बागल	१७४	०.८२	०.८०
६.	बंडु भालचंद्र कळकटे	१७४	०.४०	०.४
७.	लिंबाजी पाटिलबा गाडे	१७४	०.४८	.४०
८.	भागवत आप्पा गाडे	१७४	०.७५	०.७०
९.	पार्वताबाई आप्पा गाडे	१७४	०.३४	०.३०
१०.	अरुणा भागवत गाडे	१७४	०.८०	०.८०
११.	सचिन लिंबा गाडे	१७४	०.४०	०.४०
१२.	रामेश्वर पाराजी तांदळे	१७४	०.५०	०.५०
१३.	जगन्नाथ किसन नरवडे	२३२	०.४०	०.४०
१४.	दगडू भानदास इराळे	२३२	१.६१	१.६०
१५.	शशिकला भानदास इराळे	२३२	१.६१	१.६०
	बंडु भानदास			
१६.	भानुदास नामदेव इराळे	२३२	०.३७	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१७.	मारोतराव माणिकराव गुंजकर	२३२	१.५९	१.५०
१८.	रंगनाथ मुरलीधर तांदळे	२३२	१.८०	१.८०
१९.	ज्ञानेश्वर भिकाजी भोजने	२३२	१.००	१.००
२०.	एकनाथ मोहन भोजने	२३२	०.८०	०.८०
२१.	रामेश्वर पाराजी तांदळे	२३२	१.४०	१.४०
२२.	भुषण सुभाष निर्मळ	१७१	२.१३	२.१०
२३.	राधाबाई प्रल्हाद कावळे	१७१	१.४४	१.४०
२४.	वसंत दामोदर भुतेकर	१७१	२.१३	२.१०
२५.	शिवकन्या रामनाथ खराबे	१७१	१.४१	१.४०
२६.	राहुल कांताराम खराबे	१७१	१.४१	१.४०
२७.	नारायण अशोक बहिर	१८८	०.२८	०.२०
२८.	व्याकुब बनेमिया पठाण	१८८	१.२०	१.२०
२९.	अकबर याकुब पठाण	१८८	१.२०	१.२०
३०.	आरेफ याकुब पठाण	१८८	०.८०	०.८०
३१.	शे. हसन शेख मोहम्मद	१८८	०.४०	०.४०
३२.	विजयमाला पांडुरंग बहिर	२१७	१.४४	१.४०
३३.	बाबासाहेब बप्पाजी बहिर	२१७	१.२७	१.२०
३४.	गणेश कृष्णा इराळे	१७३	१.६१	१.६०
३५.	लिंबाजी पाटिलबा गाडे	१७३	०.३९	०.३०
३६.	व्दारकाबाई भागवत बागल	१७३	१.०१	१.००
३७.	नारायण भागवत गाडे	१७३	०.८२	०.८०
३८.	गणेश भागवत गाडे	१७३	०.८२	०.८०
३९.	जावेदाबी मेहमद शेख	१२८	०.५५	०.५०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
४०.	दिपक बाबुराव चिमेने	१२८	१.६९	१.६०
४१.	शे. दमबु शे. अहेमद	१२८	०.५६	०.५०
४२.	कल्पना श्रीराम शिंदे	१२८	०.४०	०.४०
४३.	बाळासाहेब गंगाराम शिंदे			
	अपाक गंगाराम भगवान	१२८	१.४९	१.४०
४४.	अर्चना दिपक चिमेने	१२८	१.७०	१.७०
४५.	गणेश देविदास तेलकर	१७८	०.८३	०.८०
		एकुण	४६.८५	४५.६०
ओ.एल-१०ए/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अविनाथ राधाकृष्ण कुलकर्णी	१८४	१३.५५	१३.५०
२.	प्रकाश राधाकृष्ण कुलकर्णी	४०९	१.५०	१.५०
३.	आप्पासाहेब पंढरीनाथ कळकटे	४०६	०.७९	०.७०
		एकुण	१५.८४	१५.७०
ओ.एल-११/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	नारायण रंगनाथ चौरे	३९१	०.६२	०.६०
२.	श्रीहरी रंगनाथ चौरे	३९१	०.६१	०.६०
३.	नारायण दादाराव शेते	३७२	०.६०	०.६०
४.	परमेश्वर दादाराव शेते	३७२	०.६०	०.६०
५.	शहादेव साहेबराव शेते	३७२	०.८०	०.८०
६.	सचिन भाऊसाहेब कळकटे	३७२	०.५९	०.५०
७.	सुनिल शेषराव कळकटे	३७२	१.९९	१.९०
८.	गंगाधर सुर्यकांत कळकटे	३७२	०.८५	०.८०
९.	दत्ता भाऊसाहेब कळकटे	३७२	०.५९	०.५०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१०.	श्रीमंत भाऊराव तायडे	३८२	१.२६	१.२०
११.	कैलास श्रीमंतराव तायडे	३८३	१.३७	१.३०
१२.	नारायण बापुराव तायडे	३८४	२.६०	२.६०
१३.	रामेश्वर लिंबा खोजे	३८४	०.७३	०.७०
१४.	चंद्रकला गुलाब तायडे	३८४	०.९९	०.९०
	कमल बापुराव तायडे			
	विमलबाई बापुराव तायडे			
१५.	शाहूराव सयाजी तायडे	३८४	०.५४	०.५०
१६.	शशिकलाबाई कचरु शेजुळ	३८४	०.३५	०.३०
	शाम कचरु शेजुळ			
	रामचंद्र कचरु शेजुळ			
१७.	सतिष बापुराव शिंदे	३८४	०.२२	०.२०
१८.	शाम कचरु शेजुळ	३८४	०.११	०.१०
१९.	भानुदास लिंबाजी खोजे	३८४	०.७३	०.७०
२०.	रामकुवर चत्रभूज तायडे	३८४	०.८०	०.८०
२१.	तात्या चत्रभूज तायडे	३८५	०.१०	०.१०
२२.	सुरेश शंकर कळकटे	३८५	०.८६	०.८०
२३.	सारिका सुरेशराव कळकटे	३८५	१.०८	१.००
२४.	केशव वैजीनाथ वायभट	३८५	०.८०	०.८०
२५.	विष्णु सोपान अवाड	३८५	०.४०	०.४०
२६.	रावन मनोहर अवाड	३८५	१.२०	१.२०
२७.	पाराजी नारायण खोजे	३८६	१.१३	१.१०
२८.	बळीराम विश्वनाथ खोजे	३८६	१.१४	१.१०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२९.	अंकुश रामजी पठाडे	३८८	०.२२	०.२०
३०.	किसन तुकाराम भोसले	३८८	०.८१	०.८०
३१.	गोविंद सुदाम पवार	३८८	१.४०	१.४०
३२.	विमलबाई गुलाबराव भोसले	३८८	१.२४	१.२०
३३.	शंकर सुदामराव पवार	३८८	१.४०	१.४०
३४.	सुधाकर कडुबा शेळके	३८८	०.६४	०.६०
३५.	भाऊसाहेब कडुबा शेळके	३८८	०.६०	०.६०
३६.	पार्वतीबाई बापुराव पठाडे	३८८	२.२०	२.२०
३७.	सावित्रा घनशाम शेजुळ	३८८	०.५९	०.५०
३८.	माधुरी राहूल घोडके	३८८	०.८०	०.८०
३९.	सोमित्रा गणेश घोडके	३८८	०.८०	०.८०
४०.	तुळशीराम एकनाथ शिंदे	३८९	०.२५	०.२०
४१.	ज्ञानेश्वर भानुदास शिंदे	३८९	०.६०	०.६०
४२.	सुवर्णा राजेंद्र शिंदे	३८९	०.४०	०.४०
४३.	सावता सुर्यभान बुलबुले	३९०	०.२०	०.२०
४४.	गंगासागर निवृत्ती शिंदे	३९०	०.३०	०.३०
४५.	मुक्ताराम आबाजी बुलबुले	३९०	०.४२	०.४०
४६.	साधु बन्सी बुलबुले	३९०	०.११	०.१०
४७.	शिवप्रसाद अंबादास भोपळे	३९०	०.४०	०.४०
४८.	राहूल रमेश घोडके	३९०	०.२०	०.२०
४९.	शोभाबाई नानाभाऊ भोकरे	३९०	०.४४	०.४०
५०.	रामेश्वर त्रिबक बुलबुले	३३७	०.१८	०.१०
५१.	शुभम रामेश्वर बुलबुले	३३७	०.१८	०.१०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
५२.	अभिषेक रामेश्वर बुलबुले	३३७	१.६०	१.६०
५३.	प्रल्हाद बाबासाहेब तायडे	३७६	०.६०	०.६०
५४.	आबासाहेब बाबासाहेब तायडे	३७६	०.८२	०.८०
५५.	कैलास श्रीमंतराव तायडे	३७६	०.८२	०.८०
५६.	संतोष गुलाबराव पांढरे	३७६	०.८०	०.८०
५७.	सखाराम निवृत्ती तायडे	३७६	०.१३	०.१०
५८.	शांताबाई किसन भोसले	३७६	०.४०	०.४०
५९.	अक्षय प्रल्हाद तायडे	३७६	०.६०	०.६०
	अपाक आई व्दारकाबाई			
६०.	मिमा काशीनाथ तायडे	३८१	०.७७	०.७०
६१.	गंगाधर काशीनाथ तायडे	३८१	०.७८	०.७०
६२.	जगन्नाथ पुंजाराम खोजे	३८७	१.६०	१.६०
६३.	परमेश्वर आसाराम खोजे	३८७	०.७५	०.७०
६४.	शंकर आसाराम खोजे	३८७	१.१५	१.१०
६५.	पांडुरंग सुरेश खोजे	३८७	१.२०	१.२०
६६.	मिवाजी लक्ष्मण खोजे	३८७	०.८०	०.८०
६७.	निवृत्ती लक्ष्मण खोजे	३८७	०.८०	०.८०
६८.	अजिनाथ महादेव नैराळे	३८७	०.५५	०.५०
६९.	रेणुका परमेश्वर खोजे	३८७	०.४०	०.४०
७०.	दादासाहेब रावसाहेब कळकटे	४०३	१.१०	१.१०
७१.	आबासाहेब रावसाहेब कळकटे	४०३	०.९१	०.९०
७२.	सुभद्राबाई सावळाहरी खट	४१२	०.७०	०.७०
७३.	जनार्दन साहेबा दाबुक	४१२	१.१८	१.१०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
७४.	लक्ष्मण साहेबा दाबुक	४१२	०.६५	०.६०
७५.	भारती गणेश म्हस्के	४१२	०.२०	०.२०
७६.	साहेबराव काशीनाथ तायडे	३८०	०.७२	०.७०
७७.	विश्वनाथ काशीनाथ तायडे	३८०	०.७२	०.७०
७८.	मथुराबाई अंबादास भोपळे	१२७	०.५२	०.५०
७९.	येलाजी ज्ञानदेव खोजे	३६४	०.८१	०.८०
८०.	रावण भगवान शिंदे	३७३	०.८३	०.८०
८१.	प्रभाकर भानुदास कळकटे	३७३	०.२८	०.२०
८२.	शांताबाई किसन भोसले	३७३	२.४३	२.४०
८३.	वैजीनाथ काशीनाथ कळकटे	३७३	१.२३	१.२०
८४.	शाहील अरुण शेळके	३७३	०.३०	०.३०
	अपाक मनिषा अरुण			
८५.	अजिनाथ मोहन शिंदे	३७३	०.४१	०.४०
८६.	प्रदिप मोहन शिंदे	३७३	०.४१	०.४०
		एकुण	६६.०१	६३.८०
ओ.एल-१२/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	गुलाब कुंडलिकराव कळकटे	३९३	२.४५	२.४०
२.	मंजुषा बप्पासाहेब कळकटे	३९३	२.४५	२.४०
३.	दिलीप राधाकृष्ण कुलकर्णी	४०७	१.५०	१.५००
४.	अविनाश राधाकृष्ण कुलकर्णी	४०८	१.४९	१.४०
५.	रावसाहेब राधाकृष्ण कुलकर्णी	४१०	१.५०	१.५०
६.	त्रिंबक नारायण बुलबुले	३३६	१.६०	१.६०
७.	रामेश्वर त्रिंबक बुलबुले	३३६	१.८०	१.८०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
८.	जवाहर मानसिंग गोयल	३०३	०.४२	०.४०
९.	चंपालाल भवानसिंग	३०३	०.४०	०.४०
१०.	नारायणसिंग भवानसिंग	३०३	०.४०	०.४०
११.	मोतीसिंग भवानसिंग गोयल	३०३	०.५५	०.५०
१२.	उमेश बापुसाहेब पुराणिक	४१८	२.६१	२.६०
१३.	रमेश बापुसाहेब पुराणिक	४१८	०.६१	०.६०
१४.	गणेश रमेश पुराणिक	४१८	१.००	१.००
१५.	शुभम रमेश पुराणिक	४१८	१.००	१.००
१६.	धोंडाबाई उमाजी राईज	४०४	०.२६	०.२०
१७.	तुळशीराम आश्रु राईज	४०४	०.२९	०.२०
१८.	उमाजी आश्रु राईज	४०४	०.२५	०.२०
१९.	शिंताबाई संतोष राईज	४०४	०.२९	०.२०
२०.	भाऊसाहेब आश्रुबा राईज	४०४	.५५	०.५०
२१.	शिवकन्या गिरधारी कळकटे	४००	३.४६	३.४०
		एकुण	२४.८८	२४.२०
ओ.एल-१३/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	झुगराजी किसन खोजे	३३२	०.९१	०.९०
२.	गणेश विश्वनाथ खोजे	३३२	२.१०	२.१०
३.	पार्वताबाई बापुराव पठाडे	३३२	०.८१	०.८०
४.	दत्ता झुगराजी खोजे	३३२	०.६०	०.६०
५.	मारोती झुगराजी खोजे	३३२	०.६०	०.६०
६.	संदिपान बाबुराव घोडके	३९७	०.३१	०.३०
७.	नामदेव बाबुराव घोडके	३९७	०.३१	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
८.	राजेंद्र मनोहर घोडके	३९७	०.८९	०.८५
९.	कमल भगवान घोडके	३९७	०.८९	०.८५
१०.	कविता रमेश जाधव	३९७	०.२०	०.२०
११.	रामा शंकर कोपरे	३९८	२.४०	२.४०
१२.	सुभद्राबाई सावळहरी खट	३९८	०.४०	०.४०
१३.	अर्जून रावसाहेब खोजे	३९८	०.८०	०.८०
१४.	लक्ष्मण शंकर कोपरे	३९९	२.००	२.००
१५.	प्रकाश त्रिंबक फोके	३९९	०.४०	०.४०
१६.	वृंदावनी विश्वनाथ खोजे	३९९	१.००	१.००
१७.	दगडाबाई रामा गायकवाड	३३५	०.९२	०.९०
१८.	विमलबाई रामा कावळे	३३५	१.२१	१.२०
१९.	ज्ञानदेव विठ्ठल बल्हाळ	३३५	१.६७	१.६०
	रामकुवर परमेश्वर गोरे			
	कमल रामदास गायकवाड			
२०.	ज्ञानदेव विठ्ठल बल्हाळ	३३५	१.२१	१.२०
२१.	भाऊ आण्णा खोजे	३९४	१.८३	१.८०
२२.	विष्णु भाऊ खोजे	३९४	१.६०	१.६
२३.	सत्यभामा भाऊ खोजे	३९४	१.६०	१.६०
२४.	आसाराम विश्वनाथ शिंदे	२५४	०.९१	०.९०
२५.	कांता शहादेव शिंदे	२५४	१.२१	१.२०
२६.	रामेश्वर विश्वनाथ शिंदे	२५४	१.३५	१.३०
२७.	शरद भिवगजी शिंदे	२५४	१.००	१.००
२८.	राजेंद्र शहादेव शिंदे	२५४	१.२१	१.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२९.	चंद्रकला आसाराम शिंदे	२५४	०.५३	०.५२
३०.	भगवान लक्ष्मण जाधव	२५४	०.६०	०.६०
३१.	सुरेश पांडुरंग जोशी	३३४	०.४८	०.४०
३२.	सुखदेव रामकिसन खोजे	३३४	१.१६	१.१०
३३.	सावता सुर्यभान बुलबुले	३३४	०.६४	०.६०
३४.	सविता सुखदेव खोजे	३३४	१.००	१.००
३५.	विठ्ठल अंबादास बदाडे	३३४	०.४०	०.४०
		एकुण	३५.१५	३४.६०
मा. नं.-३/टेल-ब/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	शिवाजी भाऊसाहेब कळकटे	४१६	१.५१	१.५०
२.	संभाजी भाऊसाहेब कळकटे	४१६	१.५१	१.५०
३.	आप्पासाहेब पंढरीनाथ कळकटे	४१६	०.७९	०.७०
४.	मधुकर पंढरीनाथ कळकटे	४१६	०.७३	०.७०
५.	राजू ज्ञानदेव कळकटे	४१६	०.६८	०.६०
६.	धोंडाबाई उमाजी राईज	४०४	०.२५	०.२०
७.	तुळशिराम आश्रु राईज	४०४	०.२९	०.२०
८.	उमाजी आश्रु राईज	४०४	०.२५	०.२०
९.	शिलाबाई संतोष राईज	४०४	०.२९	०.२०
१०.	भाऊसाहेब आश्रुबा राईज	४०४	०.५८	०.५०
११.	सुर्यकांत त्रिंबक कळकटे	७८	२.८४	२.८०
१२.	वंदना सुनिल कळकटे	७८	२.००	२.००
१३.	कमल भाऊसाहेब कळकटे	७८	०.८०	०.८०
१४.	सतिन्द्राबाई शेषराव कळकटे	७८	०.८३	०.८०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१५.	अरुण बाबासाहेब कळकटे	६८	०.८७	०.८०
१६.	भागवत रामा ढोके	६८	०.९३	०.९०
१७.	जिजाबाई मधुकर कदम	६८	०.८९	०.८०
	बाळासाहेब मधुकर कदम			
	अशोक मधुकर कदम			
	मनिषा सुनिल चव्हाण			
	सुरेखा शिवाजी लाड			
१८.	हरीभाऊ श्रीपती खोजे	६८	०.३६	०.३०
१९.	बालू मारोती माने	६८	१.००	१.००
२०.	मिनाबाई सुधाकर शेळके	६८	१.२०	१.२०
२१.	सरुबाई केशरबाई अंधारे	६८	०.६९	०.६०
२२.	अशोक अर्जूनराव खोजे	६६	०.२०	०.२०
२३.	भिमा भाऊ खोजे	६६	०.८०	०.८०
२४.	सोमित्रा भाऊ खोजे	६६	१.३४	१.३०
२५.	दिनेश भिमा खोजे	६६	१.३२	१.३०
२६.	राजेंद्र काकासाहेब खोजे	६६	१.३४	१.३०
२७.	रोहिणी शिवाजी कळकटे	४१५	१.५१	१.५०
२८.	सोनाली संभाजी कळकटे	४१५	१.५०	१.५०
		एकुण	२७.३०	२६.२०
ओ.एल.-१४/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	नारायणसिंग भगवनसिंग	३३०	१.३९	१.३०
२.	वृंदावणी विश्वनाथ खोजे	३३०	१.३९	१.३०
३.	राजेंद्र बाबासाहेब गायकवाड	३३०	०.६०	०.६०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
४.	भाऊसाहेब बाबासाहेब			
	गायकवाड	३३०	०.५९	०.५५
५.	राधा गणेश खोजे	३३०	०.८०	०.८०
६.	आण्णासाहेब रामकिसन खोजे	३३१	१.२८	१.२०
७.	रामकिसन विश्वनाथ खोजे	३३१	०.४०	०.४०
८.	विशाल आण्णासाहेब खोजे	३३१	१.००	१.००
९.	शिवाजी उमाजी शेळके	३९६	०.४०	०.४०
१०.	बाबु विश्वनाथ खोजे	३९६	०.६०	०.६०
११.	चंद्रकला बाबुराव खोजे	३९६	०.६०	०.६०
१२.	संतोष उमाजी शेळके	३९६	०.४१	०.४०
१३.	शमीम बी शे. जावेद	३९६	०.४०	०.४०
१४.	गंगाधर हरी घोडके	३९५	०.७३	०.७०
१५.	नागेश्वर अर्जून खोजे	३९५	०.९२	०.९०
१६.	अर्जून रावसाहेब खोजे	३९५	०.२०	०.२०
१७.	अंकुश रामजी पठाडे	३८८	०.२२	०.२०
१८.	किसन तुकाराम भोसले	३८८	०.८१	०.८०
१९.	गोविंद सुदाम पवार	३८८	१.४०	१.४०
२०.	विमलबाई गुलाबराव भोसले	३८८	१.२४	१.२०
२१.	शंकर सुदामराव पवार	३८८	१.४०	१.४०
२२.	सुधाकर कडुबा शेळके	३८८	०.६४	०.६०
२३.	भाऊसाहेब कडुबा शेळके	३८८	०.६०	०.६०
२४.	पार्वतीबाई बापुराव शेजुळ	३८८	०.५९	०.५०
२५.	माधुरी राहूल घोडके	३८८	०.५०	०.५०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२६.	सोमित्रा गणेश घोडके	३८८	०.८०	०.८०
२७.	बाबासाहेब निवृत्ती गायकवाड	३३३	१.४४	१.४०
२८.	सुनिल नाना गायकवाड	३३३	०.७१	०.७०
२९.	निखील शरद गायकवाड	३३३	०.७२	०.७०
	अपाक जनाबाई गायकवाड			
		एकुण	२२.७८	२२.१५
ओ.एल.-१५/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	संजिवनी यलाजी खोजे	३०६	१.९०	१.९०
२.	बाबुराव विश्वनाथ खोजे	३०६	१.२०	१.२०
३.	विष्णु साळीकराम बुलबुले	३०७	१.२०	१.२०
४.	आबासाहेब बाबासाहेब तायडे	३०७	०.२०	०.२०
५.	गोविंद सुदामराव पवार	३०७	०.४०	०.४०
६.	मिनाबाई अशोक हिंगने	३०७	०.६४	०.६०
७.	लिलावती बाबासाहेब तायडे	३०७	०.२०	०.२०
८.	मिना जवाहरलाल गोयल	३०७	१.४०	१.४०
९.	गणेश जवाहरलाल गोयल	३०७	१.००	१.००
१०.	दिनेश जवाहरलाल गोयल	३०७	१.००	१.००
११.	उमेश जवाहरलाल गोयल	३०७	१.००	१.००
१२.	जवाहरलाल मानसिंग गोयल	३०७	१.४६	१.४०
१३.	अभिमन्यु चंद्रभान खोजे	३०४	१.०४	१.००
१४.	धोंडिराम चंद्रभान खोजे	३०४	१.०४	१.००
१५.	पांडुरंग धोंडिराम खोजे	३०४	१.३७	१.३०
१६.	अन्नपूर्णा शिवाजी उदाण	३०४	०.२८	०.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१७.	कैलास आश्रु पोहेकर	३०१	१.७९	१.७०
१८.	कैलास भगवान जाधव	३०१	०.८१	०.८०
१९.	श्रीरंग इंंदरराव चौरे	३०२	१.२६	१.२०
२०.	सचिन पांडुरंग चौरे	३०२	०.८०	०.८०
२१.	गणेश पांडुरंग चौरे	३०२	०.८०	०.८०
२२.	राजेंद्र बाबासाहेब खोजे	३०२	०.४०	०.४०
२३.	किशकिंदा बाबासाहेब खोजे	२९७	१.३५	१.३०
	विद्या ज्ञानेश्वर अभंग			
	उषा परमेश्वर सातपुते			
	मुद्रीका महेश खोजे			
	गोदावरी प्रकाश खोजे			
२४.	कौशल्याबाई भ्र. भगवान			
	जाधव	२५३	१.२३	१.२०
२५.	भगवान लक्ष्मण जाधव	२५३	१.२१	१.२०
		एकुण	२४.९८	२४.४०
ओ.एल.-१६/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	सुरेश रामराव खोजे	२३६	०.६१	०.६०
२.	सुरेश रामराव खोजे	२२९	०.२१	०.२०
३.	राधा गणेश खोजे	२२९	०.११	०.१०
४.	चंद्रकला लक्ष्मण खोजे	२३२	०.२२	०.२०
	रामेश्वर लक्ष्मण खोजे			
	कपिलेश्वर लक्ष्मण खोजे			
	परमेश्वर लक्ष्मण खोजे			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
५.	संतोष कुंडलिक खोजे	२३२	०.४०	०.४०
६.	प्रेमिलाबाई सुरेश जोशी	२५१	२.७१	२.७०
७.	अन्ना गणपती हिंगणे	२५०	०.६८	०.६०
८.	गणेश भाऊसाहेब हिंगणे	२५०	१.३६	१.३०
९.	राहुल भाऊसाहेब हिंगणे	२५०	१.३६	१.३०
	महाराष्ट्र शासन	२५०	१.०९	१.००
१०.	अशोक आण्णा हिंगणे	२५०	०.६८	०.६०
११.	वसंत आण्णा हिंगणे	२५०	०.६८	०.६०
१२.	भागवत आण्णा हिंगणे	२५०	०.२८	०.२८
१३.	मिनाबाई अशोक हिंगणे	२५०	०.४०	०.४०
१४.	परमेश्वर कांता शिंदे	२४५	०.२१	०.२०
१५.	चंद्रकला यशवंत ढेंभरे	२४४	१.२५	१.२०
१६.	अभिमान्य चंद्रभान खोजे	२४३	०.३०	०.३०
१७.	भागवत साहेबराव खोजे	२४३	१.६७	१.६०
१८.	रामभाऊ हरीभाऊ शिसोदे	२४३	१.६०	१.६०
१९.	लक्ष्मण साहेबराव खोजे	२४३	१.६७	१.६०
२०.	शंकर साहेबराव खोजे	२४३	१.६८	१.६०
२१.	वैष्णवी विष्णु खोजे	२४३	०.४६	०.४०
२२.	मथुराबाई आप्पासाहेब खोजे	२४३	०.६०	०.६०
२३.	कांता शहादेव शिंदे	२४२	०.१८	०.१५
२४.	धनंजय नामदेव खोजे	२४२	०.३०	०.३०
२५.	विकास बंडु खोजे	२४२	०.६०	०.६०
२६.	अतुल अरुणराव पुराणिक	२४२	०.७०	०.७०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२७.	भिका शहादेव शिंदे	२४१/१	०.५५	०.५०
२८.	उत्तम शहादेव पुराणिक	१९८	२.००	२.००
२९.	राजू विश्वनाथ पुराणिक	१९८	१.७२	१.७०
३०.	विश्वनाथ शहादेव पुराणिक	१९८	१.२०	१.२०
३१.	शिवाजी एकनाथ तायडे	१९८	१.१०	१.००
३२.	विनोद विश्वनाथ पुराणिक	१९८	०.८०	०.८०
३३.	अमोल अरुणराव पुराणिक	१९८	१.००	१.००
३४.	दिपाली अतुल पुराणिक	१९८	१.००	१.००
३५.	अनिता अर्जून खोजे	२०३	०.४०	०.४०
३६.	अर्जून रावसाहेब खोजे	२०३	१.००	१.००
३७.	विश्वंभर कुंडलिक खोजे	२०३	०.४३	०.४०
३८.	तुकाराम सखाराम खोजे	२१६	०.७२	०.७०
३९.	राजेंद्र गंगाधर चौरे	२४६	०.५१	०.५०
४०.	दिगांबर यशवंत ढेंभरे	२४९	०.६०	०.६०
४१.	गुलाब श्रीमंत खापे	२५६	१.६५	१.६०
४२.	गणेश श्रीमंत खापे	२५६	१.६०	१.६०
४३.	अशोक गुलाब खापे	२५६	१.२०	१.२०
४४.	अनिकेत बाबासाहेब खापे	२५६	१.६१	१.६०
४५.	निर्मला गणेश खापे	२५६	१.४०	१.४०
४६.	भानुदास साहेबराव खोजे	२८३	०.९१	०.९०
४७.	मनोहर साहेबराव खोजे	२८३	०.४५	०.४०
४८.	गणेश मनोहर खोजे	२८६	०.६९	०.६०
४९.	कैलास मनोहर खोजे	२८३	०.६५	०.६०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
५०.	देविलाल बाबासाहेब खापे	२८५	०.८०	०.८०
५१.	आसाराम दादा खापे	२८५	१.५०	१.५०
५२.	जनार्दन दादा खापे	२८५	१.५०	१.५०
५३.	बाबासाहेब दादा खापे	२८५	०.२०	०.२०
५४.	दत्तात्रय आप्पासाहेब खापे	२८५	१.५१	१.५०
	शंकर साहेबराव खोजे			
५५.	ज्ञानेश्वर राजेंद्र शिंदे	२८५	०.५०	०.५०
	महाराष्ट्र शासन	४२८	१.७४	१.७०
५६.	कसतुराबाई आत्माराम			
	लिंबकर	४२८	०.६९	०.६०
५७.	द्वारकाबाई आण्णा सिरसरकर	४२८	०.६९	०.६०
		एकुण	५४.३३	५२.७३
ओ. एल.-१७/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अंबादास दिपाजी गायकवाड	२०४	२.६२	२.६०
२.	रामनाथ हनुमंता जाधव	२०४	०.८१	०.८०
३.	दिलीप शामराव खोजे	२०५	०.९१	०.९०
४.	शंकर रामनाथ खोजे	२०५	०.८१	०.८०
५.	प्रभाकर भिमा खोजे	२०६	१.०७	१.००
६.	सुभद्राबाई एकनाथ खोजे	२०६	०.४०	०.४०
७.	किर्ती आशोक खोजे	२०६	०.२०	०.२०
८.	रामराव दिगांबर कुलकर्णी	२०७	१.२९	१.२०
९.	एकनाथ दिपाली गायकवाड	२१२	१.१०	१.००
१०.	निर्मला दगांबर तायडे	२१२	१.१२	१.१०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
११.	एकनाथ दिपाजी गायकवाड	२११	१.७०	१.७०
१२.	आण्णासाहेब पांडुरंग खोजे	२१३	१.१३	१.१०
१३.	ज्ञानेश्वर लक्ष्मण खोजे	२१३	०.१५	०.१०
१४.	गंगासागर शंकर खोजे	२१३	०.४०	०.४०
१५.	डिगांबर शंकर खोजे	२१३	०.९३	०.९०
१६.	लिंबाजी शंकर खोजे	२१७	०.४२	०.४०
१७.	चंद्रकला एकनाथ गायकवाड	२१७	१.२१	१.२०
१८.	परमेश्वर कांता शिंदे	२१८	०.२६	०.२०
१९.	निर्मला दिगांबर तायडे	२०२/१	०.२०	०.२०
२०.	विश्वंबर कुंडलिक खोजे	२०२/१	०.३२	०.३०
२१.	नारायण श्रीभाऊ खोजे	२०२/२	०.३६	०.३०
२२.	हरिभाऊ श्रीभाऊ खोजे	२०२/२	०.३७	०.३०
२३.	श्रीभाऊ रावसाहेब खोजे	२०२/२	१.८७	१.८०
२४.	नंदकिशोर रामकिसन पिंगळे	१२९	०.५४	०.५०
२५.	सुरेश रामकिसन पिंगळे	१२९	०.५३	५०
२६.	रामकिसन कोंडिबा मेटे	१२४	०.६२	०.६०
२७.	श्रीकिसन कोंडिबा मेटे	१२४	१.०६	१.००
२८.	हिरामन कचरु शेळके	१२०	०.४७	०.४०
२९.	किसन हरीभाऊ बुलबुले	१३२	०.३३	०.३०
३०.	किसन हरीभाऊ बुलबुले	१३३	०.११	०.१०
३१.	प्रभाकर कृष्णराव	१४३	०.२०	०.२०
३२.	सुशिलाबाई नारायणराव	१४३	१.००	१.००
३३.	नारायणराव विठ्ठलराव	१४३	१.१०	१.१००

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३४.	देवस्थान इमान	१४४	११.४६	११.४०
३५.	ज्ञानेश्वर किसन भोसले	१४६	३.१४	३.१०
३६.	ज्ञानेश्वर बन्सी खोजे	१४६	३.५३	३.५०
३७.	किशोर बाबासाहेब तौर	१४६	३.१४	३.१०
३८.	अकांक्षा ज्ञानेश्वर खोजे	१४६	०.५०	०.५०
३९.	शंकर रामनाथ खोजे	१४९	०.४५	०.४०
४०.	परमेश्वर चंद्रकांत बुलबुले	१४९	०.४०	०.४०
४१.	रमेश सोपान बुलबुले	१५५	०.४०	०.४०
४२.	शाळीकराम देवराव बुलबुले	१५५	०.५१	०.५०
४३.	मोहन भिमसेन बुलबुले	१५५	०.५४	०.५०
४४.	गणेश चंद्रकांत बुलबुले	१५९	०.४०	०.४०
	रमेश चंद्रकांत बुलबुले			
	परमेश्वर चंद्रकांत बुलबुले			
	पपेक्ष चंद्रकांत बुलबुले			
	सत्यशिला चंद्रकांत बुलबुले			
४५.	त्रिंबक काशिनाथ राऊत	१५९	१.४८	१.४०
	पुंजाराम काशिनाथ बुलबुले			
४६.	हौसाबाई बापुराव खोजे	२००	०.९०	०.९०
४७.	शंकर रामनाथ खोजे	२०५	०.८१	०.८०
४८.	शिवाजी दिगंबर कुलकर्णी	२०८	१.२२	१.२०
४९.	लिंबाजी रखमाजी खोजे	२१७	०.४२	०.४०
५०.	चंद्रकला एकनाथ गायकवाड	२१७	१.२१	१.२०
५१.	प्रभाकर रंगनाथ खोजे	२४०	०.३०	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
५२.	सुवर्णा वसंत खोजे	२९६	१.००	१.००
५३.	बळीराम रामेश्वर खोजे	२९६	०.४७	०.४०
५४.	श्री शंकर देवस्थान	२३७	५.०७	५.००
५५.	उत्तम रामभाऊ कुंभार	४२८	०.६८	०.६०
५६.	पांडुरंग कोंडिबा कोल्हापूरे	४२८	०.७०	०.७०
५७.	लक्ष्मी शाम सिरसकर	४२८	२.१०	२.१०
५८.	राधा गणेश खोजे	२३०	०.३२	०.३०
५९.	परमेश्वर कांता शिंदे	२४७	०.२२	०.२०
६०.	सुरेश रामराव खोजे	२३५	०.१३	०.१०
		एकुण	६७.११	६५.४०
ओ.एल.-१८/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	पार्वतीबाई कुंडलिक खोजे	१९०	०.४१	०.४०
२.	रामेश्वर ज्ञानदेव चौरे	१९०	०.९६	०.९०
३.	विठ्ठल बापुराव शिंदे	१९०	०.४०	०.४०
४.	शिवाजी ज्ञानदेव चौरे	१९०	०.८९	०.८०
५.	दामोदर मुरलीधर चौरे	१९०	०.४२	०.४०
६.	धोंडिभाऊ बुलबुले	१९०	०.६३	०.६०
७.	परमेश्वर भाऊसाहेब खोजे	१८८	०.६१	०.६००
८.	रामा भाऊसाहेब खोजे	१८८	०.४०	०.४०
९.	सुलोचना रामा खोजे	१८८	०.४०	०.४०
१०.	सिताबाई पंडीत खोजे	१८८	०.३६	०.३०
११.	महादेव बन्सी खोजे	१८८	०.४३	०.४०
१२.	नारायण आनंदराव खोजे	१८८	१.३९	१.३०

कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१३.	संगिता नारायण खोजे	१८८	१.३९	१.३०
१४.	रामा आनंदराव खोजे	१८८	०.४०	०.४०
१५.	सिता महादेव खोजे	१८८	२.६७	२.६०
१६.	अरुणा अविनाश बोबडे	१९४	०.५०	०.५०
१७.	अविनाश सखाराम बोबडे	१९४	१.०२	१.००
१८.	नारायण श्रीभाऊ खोजे	१९४	०.१०	०.१०
१९.	रामा आनंदराव खोजे	१९४	०.३२	०.३०
२०.	हरीभाऊ श्रीभाऊ खोजे	१९४	०.१०	०.१०
२१.	संगिता भगवान पिंगळे	१९४	०.२९	०.२०
२२.	आसराबाई बाबासाहेब शिंदे	१९४	०.३०	०.३०
२३.	बाबासाहेब बापुराव शिंदे	१९४	०.५०	०.५०
२४.	नारायण रामभाऊ शिंदे	१९३	०.२०	०.२०
२५.	हरीभाऊ श्रीभाऊ खोजे	१९३	०.२०	०.२०
२६.	अंकुश भाऊराव आठवे	१९३	०.६०	०.६०
२७.	इंदुबाई अंकुश आठवे	१९३	०.४०	०.४०
२८.	राम आनंदराव खोजे	१९३	०.८६	०.८०
२९.	स्वाती राम खोजे	१९३	०.८५	०.८०
३०.	महादेव बन्सी खोजे	१९१	१.९३	१.९०
	बन्सी बापुराव खोजे			
	सत्यभामाबाई बन्सी खोजे			
३१.	सत्यभामाबाई बन्सी खोजे	१९१	०.९३	०.९०
३२.	राजेंद्र आनंदराव खोजे	१९१	१.९४	१.९०
३३.	ज्ञानेश्वर बन्सी खोजे	१९१	१.००	१.००

कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता.घनसावंगी जि.जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३४.	सविता राजेंद्र खोजे	१९१	१.९३	१.९०
३५.	आशाबाई सोपान चौरे	१८७	०.५२	०.५०
३६.	गंगाधर दगडु चौरे	१८७	१.५२	१.५०
३७.	विष्णु सोपान चौरे	१८७	०.७५	०.७०
३८.	हरीचंद्र दगडु चौरे	१८७	०.७७	०.७०
३९.	ज्ञानदेव दगडु चौरे	१८७	०.७६	०.७०
४०.	गणेश चंद्रकांत बुलबुले	१८७	०.५६	०.५०
४१.	नारायण दगडु पिंगळे	१८७	०.८०	०.८०
४२.	जयराम किसन गायकवाड	१६८	१.००	१.००
४३.	मोहन किसन गायकवाड	१६८	०.६८	०.६०
४४.	सुनिल जयराम गायकवाड	१६८	१.१०	१.१०
४५.	बाबासाहेब जयराम गायकवाड	१६८	१.००	१.००
४६.	प्रदिप मोहन गायकवाड	१६८	२.००	२.००
४७.	संदीप मोहन गायकवाड	१६८	२.००	२.००
४८.	नारायण गंगाधर पघळ	११८	०.३९	०.३०
४९.	नामदेव रंगनाथ अंभोरे	१४७	०.६०	०.६०
५०.	सखुबाई आनंदराव खोजे	१४७	२.०१	२.००
५१.	रंगनाथ नामदेव अंभोरे	१४७	१.००	१.००
५२.	तुकाराम रंगनाथ अंभोरे	१४७	०.२०	०.२०
५३.	रामा नामदेव अंभोरे	१४७	१.०१	१.००
		एकुण	४४.२०	४२.६०
		सर्व एकुण	७९०.०२	७६७.५७